झारखण्ड देखो

Jharkhand Dekho

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com | वर्ष 01 • अंक 194 • दुमका • गुरूवार, 22 जुलाई 2021 • पृष्ठ 6 | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

सतन आश्रम ट्रस्ट, धधकिया द्वारा संचालित

सतन आश्रम रामगोपाल शर्मा

गुरुकुलम

आपके बच्चों का उज्जवल भविष्य

नए सत्र में नवम् एवं दशम् वर्ग शुरू हो रहा है।

कक्षा - बाल वर्ग से अष्टम् वर्ग तक

माध्यम - हिन्दी एवं अंग्रेजी

(सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम)

कम्प्यूटर | मध्यान भोजन | प्रयोगशाला

फिनलैंड एवं भारतीय संस्कृति के माध्यम से अनुभवी शिक्षक द्वारा पढ़ाई की व्यवस्था

सत्र 2020-21 के लिए नामांकन प्रारंभ है।

• स्थान : सतन आश्रम, रामगोपाल शर्मा, धधकिया • सम्पर्क नं. - 8409399342, 7903712653 • www.rgsgurukulam.com

संक्षिप्त समाचार

सीएए से किसी मुसलमान को दिक्कत नहीं: मोहन भागवत

गुवाहाटी। सभी भारतीय का डीएनए एक वाले बयान के बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) पर कहा कि इससे किसी मुसलमान को कोई दिक्कत नहीं होगी। सीएए और एनआरसी का हिंदू-मुस्लिम विभाजन से कोई लेना-देना नहीं है। गुवाहाटी में भागवत ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए इसे साम्प्रदायिक रूप दिया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख ने बताया कि नागरिकता कानून पड़ोसी देशों में उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करेगा। हम आपदा के दौरान इन देशों में बहुसंख्यक समुदायों तक भी पहुंचते हैं। इसलिए अगर कुछ ऐसे हैं जो खतरों और डर के कारण देश में आना चाहते हैं, तो हमें निश्चित रूप से उनकी मदद करनी चाहिए। पुस्तक विमोचन पर मोहन भागवत ने कहा कि सभी देशों को यह जानने का अधिकार है कि उसके नागरिक कौन हैं। उन्होंने कहा, मामला राजनीतिक क्षेत्र में है क्योंकि सरकार इसमें शामिल है।

सुविचार

उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाये..

● विवेकानंद

गुड मॉर्निंग

एक पागल खाली पेपर को बार-बार देख रहा था...!
दूसरा पागल - ये क्या है...?
पहला - लव लेटर है...!
दूसरा - मगर ये तो खाली है..!!
पहला - आज कल बोलचाल बंद है..!!

बिजनेस

सेंसेक्स

52,198.51–354.89 (0.68%)

निफ्टी

15,632.10–120.30 (0.76%)

दैनिक पंचांग

तिथि : द्वादशी, 16:26 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा, 18:23 तक
योग : ब्रह्मा, 16:02 तक
प्रथम करण : बावा, 05:52 तक
द्वितिय करण : बालवा, 16:26 तक
वार : बुधवार

जिन इलाकों में कम है संक्रमण वहां खोल सकते हैं स्कूल : एम्स निदेशक

नई दिल्ली/ एजेंसी।

देश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एम्स के निदेशक प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया ने देश भर में विद्यालयों को खोलने की जरूरत जताई है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में विचार किया जा सकता है। एम्स निदेशक के मुताबिक जिन इलाकों में पॉजिटिविटी की रेट 50 प्रतिशत से कम है ऐसे इलाकों में विद्यालय खोलने की योजना बनाई जा सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर विद्यालय खोलने के बाद संक्रमण के संकेत मिले तब तत्काल विद्यालयों को बंद कर देना होगा। जिलों में अल्टरनेटिव दिनों में बच्चों को विद्यालय में बुलाने का विकल्प अपनाना होगा।

● दूसरी लहर में संक्रमित हो चुके लोग तीसरी लहर में सुरक्षित?

ऐसे में दूसरी लहर में संक्रमित हो चुके लोगों को तीसरी लहर के दौरान पुनः संक्रमित होने के आसार बहुत कम है। जुगल किशोर के मुताबिक संक्रमण के आसार उन लोगों के लिए अधिक बन सकते हैं जो अब तक संक्रमित होने से बचे हुए हैं। यह काफी हद तक लोगों के व्यवहार पर भी निर्भर करेगा। कोरोना वैक्सीन की एक डोज 50% तक सुरक्षा दे सकती है। अगर दोनों डोज लगाएं तो 70 से 80% तक संक्रमण से सुरक्षित हो सकते हैं।

● बड़ा जोखिम पैदा कर सकती है लापरवाही- विशेषज्ञ

वहीं दूसरी ओर कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के कयासों का सिलसिला जारी है। प्रतिबंधों में छूट मिलने के बाद लोगों के लापरवाही बरतने के मामले भी सामने आ रहे हैं। जो तीसरी लहर के लिहाज से खतरनाक स्थिति पैदा कर सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक लापरवाही बड़ा जोखिम पैदा कर सकती है। सफदरजंग अस्पताल के सामुदायिक मेडिसिन विभाग के निदेशक और एचओडी प्रोफेसर जुगल किशोर के मुताबिक दूसरी लहर बेहद संक्रामक थी, लेकिन इस बीच जो खास बात निकल कर सामने आई कि पहली लहर में संक्रमित हो चुके ज्यादातर लोग कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमित नहीं हुए।

किसान यूनियन नेताओं ने जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का किया ऐलान

नई दिल्ली/ एजेंसी।

किसान यूनियन के एक नेता ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कहा कि किसान कृषि कानूनों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे और कोई भी प्रदर्शनकारी संसद नहीं जाएगा जहां मानसून सत्र चल रहा है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार कक्का ने बताया कि 22 जुलाई से प्रत्येक दिन 200 किसान पहचान पत्र लगाकर सिंघू सीमा से जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन करने के लिए जाएंगे। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन की अगुवाई कर रहे 40 से अधिक किसान यूनियन के संयुक्त निकाय संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने योजना बनाई थी कि 22 जुलाई से हर दिन लगभग 200 किसान मानसून सत्र के दौरान संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे। संसद का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ और 13 अगस्त को समाप्त होगा। कक्का ने कहा, ''हमने पुलिस को सूचित कर दिया है कि मानसून सत्र के दौरान हर दिन 200 किसान सिंघू सीमा से बसों में जंतर-मंतर जाएंगे। यह एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन होगा और प्रदर्शनकारियों के पास पहचान का बैज होगा।'' उन्होंने कहा, ''जब पुलिस ने हमें प्रदर्शनकारियों की संख्या कम करने के लिए कहा, तो हमने उन्हें कानून-व्यवस्था की स्थिति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा और आश्वासन भी दिया कि विरोध शांतिपूर्ण होगा।'' रविवार को हुई एक बैठक के दौरान, दिल्ली पुलिस ने किसान यूनियनों से विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों की संख्या कम करने के लिए कहा था, लेकिन किसान यूनियन के नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया था। एक दिन बाद, एसकेएम ने दिल्ली पुलिस पर संसद के बाहर उनके विरोध प्रदर्शन को 'संसद घेराव' बताते हुए इसके बारे में दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। एसकेएम ने एक बयान में कहा था कि एसकेएम ने पहले ही कहा है कि संसद के घेराव की कोई योजना नहीं है और विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण और अनुशासित होगा। एसकेएम ने पहले कहा था कि मानसून सत्र शुरू होने से दो दिन पहले, सभी विपक्षी सांसदों को सदन के अंदर कृषि कानूनों का विरोध करने के लिए एक चेतावनी पत्र जारी किया जाएगा। देशभर के हजारों किसान तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर धरना दे रहे हैं, उनका दावा है कि यह न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रणाली को खत्म कर देगा, उन्हें बड़े कार्पोरेट घरानों की दया पर छोड़ देगा।

तीसरी लहर की आशंका के चलते मौलानाओं ने की घर पर ईद मनाने की अपील

नई दिल्ली/ एजेंसी।

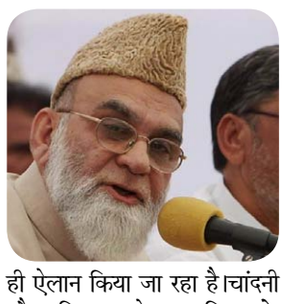

आज देश भर में बकरीद मनाई जा रही है। आमतौर पर ईद के दिन मस्जिदों में नमाज अता करने के लिए लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा होती थी, लेकिन इस बार कोरोना के चलते लोगों से घर पर ही ईद की नमाज अता करने की अपील की गई है।जामा मस्जिद के शाही इमाम मौलाना सैयद अहमद बुखारी ने मंगलवार को ही लोगों से अपील की कि दिल्ली समेत देशभर में बकरी बुधवार को मनाई जा रही है, लेकिन नमाज अपने-अपने घरों में ही पढ़ें। क्योंकि जिला प्रशासन ने सभी धार्मिक स्थलों पर जुटने के लिए मंजूरी नहीं दी है। इसीलिए दिल्ली की बाकी मस्जिदों में पहले ही ऐलान किया जा रहा है।चांदनी चौक स्थित फतेहपुर मस्जिद के शाही इमाम मौलाना डॉक्टर मुफ्ति मुकर्रम अहमद ने कहा है कि कोरोना की तीसरी लहर आने का खतरा है इसीलिए सरकार ने कहा है कि इबादतगाहों में भीड़ ना लगाएं। जैसे ईद की नमाज पढ़ी थी वैसे ही घर पर रहकर बकरीद की नमाज पढ़ें।

केंद्र के बाद अब तमिलनाडु, बिहार और मध्य प्रदेश ने भी किया दावा, दूसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी से नहीं हुई कोई मौत

नयी दिल्ली/ केंद्र सरकार की तरफ से संसद में यह दावा किया गया कि कोरोना की दूसरी वेव में देश के अंदर ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत दर्ज नहीं की गई। इसके बाद अब एक-एक कर कई राज्य केंद्र सरकार के सुर में सुर मिलाते दिख रहे हैं। तमिलनाडु ने जहां मंगलवार को ही यह ऐलान कर दिया था कि उनके राज्य में ऑक्सीजन की किल्लत से कोई जान नहीं गई तो वहीं अब मध्य प्रदेश और बिहार ने भी यही दावा किया है कि ऑक्सीजन की कमी ने उनके राज्यों में किसी की जान नहीं ली।तमिलनाडु स्वास्थ्य सचिव जे राधाकृष्ण ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, 'राज्य में कोई मौत ऑक्सीजन की कमी से नहीं हुई है। हमने सरकारी और निजी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन आपूर्ति रखी। ऑक्सीजन सप्लाई के लिए एक अलग से टीम है।' तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम. सुब्रमणियम ने भी कहा यही दावा किया और कहा कि उन्हें केंद्र से पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिली थी और इसलिए राज्य में ऑक्सीजन को लेकर कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ा। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने भी कहा, 'दूसरी लहर के दौरान हमने दबाव के बावजूद बेहतर प्रबंधन किए। हमें केंद्र का सहयोग मिला और हमें मिलने वाले ऑक्सीजन की मात्रा में भी इजाफा किया गया। हमने सभी अस्पतालों में ऑक्सीजन दिया। कांग्रेस लोगों की मदद नहीं करना चाहती।

Unique Id: JH/2021/0276302

SAICARE FOUNDATION

• Helping • Healing • Caring

We Always Believe To Help You In Any Way

Registered Add: Raj Bhawan, Office No: 02, Station Road, Latehar, Jharkhand - 829207
Corporate Add: Rajdhani Green Garden Parking, Nalanda Colony, Khajpura, Bailey Road, Patna – 800014
+91-9975800608, +91- 98253 10450, +91-9973578177 & +31-626703632
Web: www.saicarefoundation.com Email: saicareworld@gmail.com

THE VALUABLE OPPORTUNITY TO MAKE BUSINESS PERFECT

Admission Guidence

MBBS PHARMACY NURSING DIP. ENG (BIT MESRA) B.TECH
MBA LLB GRADUATION MASTERS PARA MEDICAL

Contact for any type of career and business consulancy & counselling

Private Ltd. Company.	Registration	Digital Signature	
One Person Company.	Registration	ISO Certification	
Sole Propietorship	Registration	MSME/SSI	
Startup India	Registration	FSSAI	
Partnership Firm	Registration	IEC	
US Incorporation	Registration	EPF/ESI	
UK Incorporation	Registration	GST	
Dubai Incorporation	Registration	Trade Mark & Many More....	

Call Us: +91 8789416227

Time : 10:00 am to 2:00 pm

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के चलते आज से 15 अगस्त तक लाल किला बंद

नई दिल्ली/ एजेंसी।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के चलते लाल किले को पर्यटकों के लिए आज यानी बुधवार, 21 जुलाई 2021 से बंद कर दिया गया है। इसका आदेश भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के डायरेक्टर मॉन्यूमेंट-2 डॉक्टर एनके पाठक ने मंगलवार को जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि 21 जुलाई से 15 अगस्त तक लाल किले को सुरक्षा कारणों के चलते पर्यटकों के लिए बंद किया जाएगा। इसकी जानकारी एएसआई दिल्ली सर्किल, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस अनिता राय, सीआईएसफ कमांडेंट यूनिट एएसआई, हॉर्टिकल्चर के डिप्टी सुपरिटेंडेंट सहित वेबसाइट को दे दी गई है। ताकि लाल किला की टिकट बुकिंग को ब्लॉक कर दिया जाए। वहीं दूसरी ओर जम्मू कश्मीर और उत्तर प्रदेश में आतंकी वारदातों को अंजाम देने में नाकाम रहे आतंकी राजधानी दिल्ली, मुंबई समेत चार शहरों में ड्रोन से संवेदनशील इमारतों को निशाना बनाने की फिराक में हैं। आईबी ने इसी संबंध में अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि 15 अगस्त से पहले राजधानी में संवेदनशील इमारतों पर कभी भी ड्रोन से हमला हो सकता है। आईबी के जारी इनपुट्स के बाद दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट पर रखते हुए विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का सदस्य बनें

संतोष सिन्हा
जिला अध्यक्ष
राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), दुमका
मो. : 8210067708

प्रभाकर प्रसाद
अध्यक्ष
राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी
झारखंड प्रदेश

मा. श्री राजा पीटर उर्फ गोपाल कृष्ण पातर
पूर्व मंत्री झारखंड सरकार

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

संक्षिप्त समाचार

जल मीनार खराब रहने के कारण शुद्ध पेयजल से वंचित हैं ग्रामीण

- विभागीय लापरवाही से आठ माह से ख़राब पड़ा है जलमीनार

दुमका। जरमुंडी प्रखंड के रायकिनारी गांव में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लाखों की लागत से निर्मित जलमीनार हाथी का दांत साबित हो रहा है। इस बाबत अमरनाथ मिर्धा, शेखर मिर्धा, रामनाथ साह,कैलाश साह, गीता देवी, मीना देवी,पुष्पा देवी, रौशनी देवी आदि ग्रामीणों ने बताया कि जलमीनार बीते आठ माह से खराब पड़ा हुआ है जिससे हम ग्रामीणों को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। वही स्थानीय समाजसेवी एवं तृणमूल कांग्रेस पार्टी के दुमका जिला अध्यक्ष महादेव यादव ने ग्रामीणों के साथ मिलकर जल मीनार के सामने प्रदर्शन करते हुए जल्द से जल्द पानी टंकी दुरुस्त कराने की मांग की है। महादेव यादव ने बताया कि वर्ष 2017-18 में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए इस जल मीनार का निर्माण कराया गया था लेकिन निर्माण कार्य में गुणवत्ता नहीं रहने के कारण कुछ महीनों बाद से ही बेकार पड़ा है जिसके चलते लोगों के सामने पेयजल संकट की समस्या उत्पन्न हो गई है।

ससुराल में रह रहे व्यक्ति को बिहार पुलिस ने दबोचा

दुमका। बिहार में बांका जिले के जयपुर थाने की पुलिस बुधवार को लूट की एक वारदात में फरार चल रहे बबलू कुमार को उसकी ससुराल हंसडीहा के बबनखेता गांव से गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। बबलू जयपुर थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव का रहने वाला है और पुलिस से बचने के लिए ससुराल में रह रहा था।इसी साल दो फरवरी को बा-इक सवार तीन युवकों ने जयपुर थाना क्षेत्र के कानिवल गांव के पास सरैयाहाट के पतसर निवासी फुलेश्वर यादव से उसकी बाइक, पर्स व मोबाइल छीन लिया था। फुलेश्वर गांव से अपनी ससुराल करमाटाड़ जा रहा था। पुलिस ने उसके बयान पर तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अनुसंधान के क्रम में पुलिस को मोबाइल ट्रैकिंग के जरिए पता चला कि एक आरोपित बबलू कुमार बबनखेता गांव में रह रहा है। जयपुर थाना की पुलिस मंगलवार को ही हंसडीहा आई और उसकी तलाश शुरू की। बुधवार की दोपहर स्थानीय थाना की पुलिस के सहयोग से उसे ससुराल से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त हीरो ग्लैमर बाइक व लूटा गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है। सरैयाहाट थाना प्रभारी अनुज यादव ने बताया कि जयपुर पुलिस एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है।

बाइक-साइकिल की टक्कर में दो लोग घायल

दुमका। मसलिया थाना क्षेत्र में दलाही भगत चौक के पास बुधवार को मोटरसाइकिल व साइकिल की टक्कर में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। दलाही निवासी संत कुमार शील साइकिल से निजी काम से कोलपाड़ा से घर आ रहे थे। सड़क पार करते समय कुंडहित के बनकाठी निवासी शयामल नाग की बाइक से साइकिल में टक्कर लग गई। हादसे में साइकिल सवार के अलावा बाइक पर बैठी महिला घायल हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दोनों को दुमका रेफर कर दिया।

गुनछुवा पहाड़ियां टोला के ग्रामीणों को मुलभुत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं

दूसरे टोला से पानी लाकर बुझाते प्यास, सीता सोरेन के ट्वीट पर उपायुक्त ने लिया संज्ञान

दुमका।

जामा प्रखंड से महज दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गुनछूवा पहाड़िया टोला जहां आज भी ग्रामीण मूलभूत सुविधा के लिए तरसते हैं। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मोहलबना पंचायत के गुणछुआ गांव में दो टोला है संथाली टोला और पहाड़िया टोला । दोनो ही आदिम जनजाति का टोला है ।संथाली टोला में आने जाने के लिए सड़क बनी है चापाकल भी है लेकिन पहाड़िया जनजाति के लोग पीने की पानी आज भी संथाली टोला से लाकर प्यास बुझाते हैं। और इस टोला में आज भी प्रवेश करने के लिए रास्ता नहीं है यदि प्रवेश करना हो तो झाड़ी, कीचड़ व पत्थरों से होकर गुजरना पड़ता है। वहीं यदि पानी की बात की जाए तो प्यास लगने पर आपको आदिवासी टोला जाना पड़ेगा क्योंकि इस टोला में आज तक ना ही पेयजल की व्यवस्था है और ना प्रवेश करने के लिए रास्ता बनी है। यहां के लोग पेयजल के लिए आदिवासी टोला पगडंडी वाले रास्ते में चलकर जाते हैं। हाल ही में यहां पयेजल आपूर्ति विभाग से जलमीनार का निर्माण कराया गया है लेकिन कार्यकारी एजेंसी अधुरा छोड़ दिया है।गांव के रमेश पुजहर ने बताया कि एक साल पहले गांव में जलमीनार बनाने का काम शुरू किया गया था और मैन काम किया लेकिन ठीकेदार मेरा आठ दिन का मजदूरी भी नहीं दिया। ओर जलमीनार भी अधूरा छोड़ दिया है जिससे पेयजल समस्या जस की तस बनी हुई है। गांव की महिला कुलवती देवी ने कहा कि गांव में न चापाकल हैऔर न ही सड़क बना हुआ है हमलोग पगडंडी रास्ते से संथाली टोला पानी लाने जाते हैं जल मीनार केवल देखने के लिए बनाया गया है एक साल बीत जाने के बाद भी मोटर नही लगाया गया है ।वहीं सिंकू पुजहर, लालमोहन पुजहर, राजेंद्र पुजहर, नारायण पुजहर मिनकी देवी आदि दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि हमारे टोला में करीब एक वर्ष पहले ही पेयजल के लिए जल मीनार का काम तो शुरू किया गया परंतु आज भी अधूरा पड़ा हुआ है यहां तक की इस जल मीनार के लिए हम ग्रामीणों से मजदूरी भी कराया गया और मेहनतना भी नहीं मिला फिर भी इस आसरा में हम लोग राह देखते रहे आज नही तो कल हमें पेयजल नशीब होगा लेकिन ऐसा कुछ हुआ ही नहीं। आज भी पानी के लिए भटकना पड़ता है। ग्रामीणों ने शीघ्र जलमीनार चालू करने की मांग की है।

इस सम्बन्ध में पहाड़िया जनजाति के सामाजिक कार्यकर्ता राजू पुजहर ने कहा कि गांव में पेजजल की समस्या गंभीर है ठीकेदार आधा अधूरा काम कर छोड़ दिया है। पता चला कि मजदूरी भी बकाया है।हमने फोन पर सम्पर्क कर राँची के ठीकेदार को जल्द जलमीनार का काम पूरा करने, मोटर आदि लगाने एवं मजदूरों को मेहनताना भुगतान करने का आग्रह किया है और ठीकेदार ने जल्द काम पूरा करने का आश्वासन दिया है अगर शीघ्र ही जलमीनार चालू नही किया गया तो उपायुक्त से मिलकर शिकायत दर्ज कराया जायेगा। इधर सीता सोरेन ने ट्वीट कर उपायुक्त दुमका से इस पर कार्रवाई करने की मांग की है उपायुक्त ने भी संज्ञान लेते हुए जांच की आदेश दिए हैं।

शिविर लगाकर ग्रामीणों का लिया गया सैंपल

दुमका

रामगढ़ प्रखंड के बरमसिया पंचायत के हेठभेलवा नारायणपुर गांव में बुधवार को शिविर लगाकर कोरोना वायरस जांच के लिए 99 ग्रामीणों का सैंपल लिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि हेठभेलवा नारायणपुर गांव में आरटी-पीसीआर से जांच हेतु 59 एवं रैपिड एंटीजन कीट के माध्यम से 40 ग्रामीणों का सैंपल लिया गया। रैपिड एंटीजन कीट के माध्यम से जांच के दौरान सभी 40 ग्रामीणों की रिपोर्ट नेगेटिव आई। वहीं आरटी-पीसीआर से जांच हेतु 59 ग्रामीणों का सैंपल दुमका भेज दिया गया। लोगों से अपील कि गई है कि शिविर में अधिक से अधिक की संख्या में पहुंचकर अपना जांच कराएं। प्रतिदिन अधिक से अधिक लोगों का सैंपल संग्रह कर जांच हेतु दुमका भेजा जा रहा है। कोरोना वायरस का लहर कम हुआ है लेकिन बीमारी अभी खत्म नहीं हुई है। लोगों को बिना मास्क एवं बेवजह घर से नहीं निकलना चाहिए। सार्वजनिक जगहों पर जाने के दौरान मास्क का प्रयोग करें एवं शारीरिक दूरी का पालन करें। अभी कोरोना वायरस से बचने के लिए मास्क और शारीरिक दूरी ही बहुत जरूरी है। अभी भी गांव में जागरूकता की कमी के कारण लोग अपना जांच नहीं करा रहे हैं। उन्होंने सभी व्यक्तियों से टीका लगवाने का भी अनुरोध किया। टीका के उपरांत मिलने वाला प्रमाण पत्र आने वाले दिनों में बहुत ही उपयोगी होगा।जामा प्रखंड के पंचायत सचिवालय महुलबोना एवं पंचायत भवन खटंगी में शिविर लगाकर मंगलवार को कुल 416 लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कोविशिल्ड का टीका लगाया गया। जिसमें 18 वर्ष के ऊपर के 284 युवाओं को एवं 45 वर्ष से ऊपर के 131लोगों को कोविशिल्ड वैक्सीन लगाया गया। इस दौरान एक हैल्थ वर्कर को भी टीका लगाया गया। कैम्प में कुल 175 लोगों का सेंपल लेकर कोरोना जांच के लिए दुमका अस्पताल भेजा गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने बताया कि तीसरे लहर की संभावना को लेकर लगातार टीकाकरण जारी है। अभी पूरी तरह कोरोना समाप्त नहीं हुआ है आये दिन कहीं कहीं संक्रमित व्यक्ति की पहचान हो रही है इसलिए सतर्कता बरतने की आवशयकता है और तीसरे लहर से पहले सभी को टीका लगाने की आवशयकता है। टीका ही एकमात्र परिवार को सुरक्षित रखने में और संक्रमण से बचाव करने में आपकी मदद कर सकता है। इसलिए उन्होंने सभी को जागरूक रहने, सामजिक दूरी का पालन करने और लगने वाले कैम्प में जाकर वेक्सीन लेने की सलाह दी। कहा कि वैक्सीन लेकर ही कोरोना संक्रमण को मात दिया जा सकता है।

आदिवासी समाज के नौकरी पेशा से जुड़े लोगों का किया गया पुतला दहन

अपने ही समाज के नौकरी पेशा से जुड़े लोगों पर लगाया उदासीनता का आरोप

दुमका।

आदिवासी सेंगेल अभियान के बैनर तले बुधबार को प्रखंड के सालतला में अभियान के प्रखंड अध्यक्ष वर्नाड हांसदा की अगुवाई में उसी समाज के नोकरी पेशा से जुड़े लोगों का पुतला दाहन किया गया।आदिबासी सेंगेल अभियान के बैनर तले जनगणना की रिपोर्ट में सरना धर्म कोड को शामिल करने,संथाली भाषा को राज्य की प्रधान सरकारी भाषा की मान्यता देने के साथ अलचिकि लिपि में शिक्षण संस्थानों में पठन पाठन सुनिश्चित करने की मांग राज्य गठन के बाद से ही की जा रही हैं ।अभियान असम एवं देश के अन्य सभी राज्यो में आदिवासियों को अ० ज० जा० के समान दर्जा देने की मांग करते आ रहा हैं ।वर्नाड ने बताया कि सूबे के आदिबासी युवक युवती आरक्षण का लाभ लेकर नोकरी करते है, परन्तु इन नोकरी पेशा से जुड़े लोग समाज,संस्कृति, भाषा उनके हक को लेकर उदासीन बने हुए हैं ।यानी नोकरी पेशा में जुड़े एक बर्ग के आदिवासी सरना धर्म कोड की मांग का ही बिरोध कर रहे हैं ।बुधबार को उसी के बिरोध में पुतला दहन कार्यक्रम किया गया हैं ।कार्यक्रम में रंजीत मुर्मू सचिव ,सरस्वती टुडू, कविता मुर्मू ,प्रेम लाल मुर्मू सुभाष टुडू के साथ सैकड़ों सदस्य मौजूद थे ।

कोयला खनन के विरोध में फिर अड़े ग्रामीण

दुमका/संवाददाता।

शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र में प्रस्तावित तीन कोल ब्लाकों को संचालित करने को लेकर किए जा रहे प्रशासनिक प्रयासों का विरोध तेज हो चुका है। बुधवार को शिकारीपाड़ा के हल्दीपहाड़ी गांव के निकट बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष व बच्चे परंपरागत वेशभूषा में हरवे-हथियार से लैस होकर जमा हुए और कोल ब्लाक संचालित करने के प्रयासों का जोरदार विरोध किया।

ग्रामीणों ने शिकारीपाड़ा में प्रस्तावित ब्राह्माणी नार्थ चिचरो पाटशिमल कोल ब्लाक (17.03 किलोमीटर) व शहरपुर जमडुपानी बेस (15 किलोमीटर) को संचालित करने की सरकारी प्रक्रिया का जोरदार ढंग से विरोध किया। इस दौरान ग्रामीणों ने न जान देंगे और न जमीन देंगे, जो हमारी जमीन पर नजर गड़ाएगा, उसकी आंख नोच लेंगे का नारा बुलंद करते हुए कहा कि कोयला निकालने के लिए हम सरकार को अपनी जमीन कभी नहीं देंगे।

बताते चलें कि शिकारीपाड़ा में तीन कोल कंपनियों के साथ एमओयू किया गया है, जिसमें ईस्टर्न कोल्डफिल्स लिमिटेड (ईसीएल) को ब्राह्माणी नार्थ चिचरो पाटशिमल (17.03 किलोमीटर), उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन नगर लिमिटेड को शहरपुर जमडुपानी बेस (15 किमी) व हरियाणा पावर जेनरेशन कारपोरेशन लिमिटेड को बादलपाड़ा में 6.12 किमी का क्षेत्र कोयला खनन के लिए आवंटित किया गया है। कोल ब्लाक को संचालित करने के लिए चार जुलाई को सरकार द्वारा रैयतों को नोटिस भेजा गया है कि इन इलाकों में कोल ब्लाक का संचालन किया जाएगा, इसके लिए रैयत अपनी जमीन खाली कर दें। इसके एवज में उन्हें मुआवजा मिलेगा।

इसके बाद से ग्रामीण व रैयत विरोध पर उतर आए हैं। इससे पूर्व 14 जुलाई को इसी मुद्दे पर ग्रामीण व रैयतों ने शिकारीपाड़ा के ही पंचवाहिनी पकलूपाड़ा हटिया मैदान में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था। वहीं 15 जुलाई को सीओ की अगुवाई में ग्राम प्रधानों की जमीन अधिग्रहण से संबंधित बैठक रखी गई थी, जिसमें प्रभावित क्षेत्र के अधिकांश ग्राम प्रधान शामिल नहीं हुए थे। इधर, 16 जुलाई को यूपी राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अधिकारी आवंटित क्षेत्र का निरीक्षण करके वापस लौटे हैं और इसके उपरांत बुधवार को ग्रामीणों ने फिर से जोरदार विरोध जताया है।

शहर के बंदरजोड़ी से एक और किशोरी का अपहरण

दुमका। अभी सोनी हत्याकांड की जांच पूरी भी नहीं हो पाई थी कि शहर के बंदरजोड़ी से एक और किशोरी का अपहरण हो गया। मंगलवार की रात पुलिस ने पिता के बयान पर अज्ञात पर अपहरण का मामला दर्ज कर बरामदगी का प्रयास शुरू कर दिया है।

पिता ने पुलिस को बताया कि कन्या उच्च विद्यालय में कक्षा दस में पढ़ने वाली बेटी 17 जुलाई की दोपहर मां को यह बताकर निकली कि कंप्यूटर क्लास करने जा रही है। देर शाम तक वह वापस नहीं आई। पति-पत्नी लगातार खोजबीन कर रहे थे। देर शाम बेटी ने तीन मोबाइल नंबर से अपनी मौसी से बात की। अगले दिन भाई को फोन कर बताया कि अब घर नहीं आएगी। इतना कहने के बाद फोन बंद कर लिया। शंका जताई कि बेटी किसी दूस-रे मोबाइल नंबर से बात कर रही है। उसे आज तक मोबाइल दिया ही नहीं। ऐसा लगता है कि कोई उसे बहला फुसलाकर ले गया और दबाव डालकर फोन करवा रहा है। उन्होंने बेटी के अपहरण की शंका व्यक्त की है।इधर, थाना प्रभारी देवव्रत पो-द्दार ने बताया कि अपहरण का मामला दर्ज कर हर तकनीक के सहारे किशोरी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस की एक टीम लगातार बरामदगी के प्रयास में लगी हुई है। यहां बता दें कि किशोरी की तरह नौ जुलाई को सोनी कुमारी नामक किशोरी का अपहरण हो गया था। 11 दिन के बाद पुलिस ने उसका शव बरामद किया। उसकी हत्या में एक किशोरी व दो युवकों को पकड़ा भी गया।

385 को पहला एवं 18 लोगों को लगाया गया दूसरा डोज का टीका

दुमका : रामगढ़ प्रखंड के दो जगहों पर बुधवार को शिविर आयोजित कर 45 से 60 वर्ष के 325 व्यक्ति एवं 18 से 44 वर्ष के 78 व्यक्ति का कोरोनारोधी टीकाकरण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार मिश्रा ने बताया की बुधवार को 385 व्यक्ति को पहला डोज एवं 18 व्यक्ति को दूसरा डोज का टीका दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ में बुधवार को 45 से 60 वर्ष के कोवैक्सीन का एक व्यक्ति को पहला डोज एवं नौ व्यक्ति को दूसरा डोज तथा कोविशील्ड का तीन व्यक्ति को पहला एवं पांच व्यक्ति को दूसरा डोज का टीका दिया गया। प्रखंड मुख्यालय के विकास भवन में 18 से 44 वर्ष के 302 व्यक्ति को कोविशील्ड का पहला डोज, 45 से 60 वर्ष के 56 व्यक्ति को कोविशील्ड का पहला डोज एवं 45 से 60 वर्ष के चार व्यक्ति को कोविशील्ड का दूसरा डोज दिया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ के प्रभारी डा. संजय कुमार मिश्रा ने भी लोगों से अपील करते हुए कहा कि बिना मास्क के कोई भी व्यक्ति घर से बाहर ना निकले। अभी कोरोना वायरस खत्म नहीं हुआ है इसलिए मास्क और सामाजिक दूरी बहुत ही जरूरी है। कहा कि सबों की जन भागीदारी के द्वारा ही टीकाकरण अभियान में सफलता पाई जा

सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया बकरीद का त्योहार, सुरक्षा का रहा पुख्ता इंतजाम

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़: बकरीद का त्यौहार मुस्लिम लोगों का महत्वपूर्ण त्यौहार होता हिया. बकरीद को ईद-उल-अजहा भी कहते है. रमजान के पवित्र महीने की समाप्ति के 70 दिनों के बाद इसे मनाया जाता है. इस्लामिक मान्यता के अनुसार हजरत इब्राहिम अपने पुत्र हजरत इस्माइल को इसी दिन खुदा के हुक्म पर खुडा कि राह में कुर्बान करने जा रहे थे, तो अल्लाह ने उसके पुत्र को जीवनदान दे दिया. जिसकी याद में पर्व मनाया जाता है. बकरीद का त्यौहार 21 जुलाई बुधवार को मनाया गया.इस दिन मुसलमान लोग अच्छे कपड़े पहनते है. महिलाएं विशेष पकवानों को पकाती है. इस दिन सुबह जल्दी उठकर नहा धोक- र नये कपड़े फन कर ईदगाह में ईद की नमाज अदा की. नमाज के बाद एक दुसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दिया. इसके बाद जनवरों की अपने अपने घरों में कुर्बानी दिया.अमड़ापाड़ा/हिरणपुर/महेशप ुर/पाकुडिया/लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । प्रखंड में सौहार्दपूर्ण माहौल में बकरीद का त्योहार मनाया गया। विभिन्न मस्जिदों में बुधवार को ईद उल अजहा की सामूहिक नमाज अदा की गई। देर रात तक कुर्बानी की तैयारी के बाद सुबह होते ही मुस्लिम समुदाय के घरों में मस्जिद जाने की तैयारी शुरू हो गई। प्रखंड के ईदगाह के समेत अन्य मस्जिदों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये नमाज अदा कर नमाजियों द्वारा समाज व देश में शांति व अमन की दुआएं मांगी गई। पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी मनोज कुमार, संतोष कुमार, एएसआई लल्लूराम, महादेव यादव, विनय सिंह, मुकुल भगत, सन्तोष यादव समेत अन्य अधिकारियों ने बकरीद को सौहार्द पूर्ण वातावरण में सम्पन्न को लेकर फ्लैग मार्च किया गया। वही हिरणपुर प्रखंड में मुस्लिम समुदाय के लोगो ने कोविड को लेकर बुधवार को बकरीद पर्व सादगी से मनाया। दो रकाब की नमाज अदा की गई व एक दूसरे को गले मिलकर मुबारक दी। हिरणपुर खास, हाथकाठी, कमलघाटी, दराजमाथ, तोड़ाई, मोहनपुर, रामाकुडा, बाबूपुर, बड़तल्ला, धोवाडांगा, मंझलाडीह आदि जगहों में लोगो ने अपने -अपने घरों व मस्जिदों में नमाज अदा किया। शारीरिक दूरी का पू- री तरह पालन किया गया। जामा मस्जिद हिरणपुर के मौलाना इस्माइल मजाहिरी ने बताया कि हर वर्षो की तरह इस वर्ष भी बक- रीद मनाई गई। कोविड को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई। चांद की 10 तारीख को बकरीद मनाया जाता रहा है। लोगो ने दो रकाब नमाज अदा किया। मुहम्मद के जमाने से ही खुदा को संतुष्ट करने के लिए कुर्बानी देने की परंपरा रही है। वही पाकुडिया प्रखंड में त्याग, समर्पण एवं बलिदान का पर्व बकरीद बुधवार को आपसी भाईचारे एवं सद्भाव के साथ मनाया गया । इस मौके पर अहले सुबह सभी मुसलमान भाइयों ने पाकुड़िया, मोंगलाबान्ध,लकड .पहाड़ी, राजपोखर, पलियादाहा, डोमनगड़िया, फुलझींझरी, सोरला, बाबुझूटी, सलगाडीह, सरसाबान्ध आदि अन्य गांवों में अपने अपने घरों में बकरीद की नमाज अदा की तथा एक-दूसरे के गले मिलकर व हाथ मिलाकर बकरीद की बधाईयां दी । इस दौरान इमामों और मौलानाओं ने अल्लाह के प्रति समर्पण, विश्व प्रेम और क्षमा का संदेश सबों को दिया । बताया गया कि यह पर्व विश्व प्रेम, भाईचारे, त्याग और सेवा भाव का संदेश देता है । बकरीद कुर्बानी का दिन है । इस दिन अपने प्यारे वस्तु की कुर्बानी दी जाती है। इस दौरान नमाज अदा करने के बाद बकरे की कुरबानी दी गयी तथा उसे तीन हिस्सों में बांट कर एक हिस्से को गरीबों में बांटा गया जबकि दूसरे हिस्से को अपने रिश्तेदारों एवं परिचितों के घर भेजा गया, वहीं शेष एक हिस्से का उपयोग स्वयं किया गया । इधर त्योहार के मद्देनजर विधि व्यवस्था को लेकर अंचलाधिकारी किरण कु डांग, थाना प्रभारी चंदन कु गुप्ता, एस आई सतेन्द्र यादव, सचिन लाकड़ा, सुरेश सिंह, मनदीप मेहता, अरुण कु दुबे आदि पुलिस अधिकारियों को जवानों संग सुबह से ही काफी तत्पर देखा गया ।

संक्षिप्त समाचार

कलम कोड में सरना धर्म शामिल की माँग को अविलम्ब केंद्र सरकार घोषणा करें, नहीं तो राष्ट्रव्यापी अनिश्चितकालीन चक्का जाम

पाकुड़। पाकुड़िया आदिवासी सेंगेल अभियान जिला कमिटी पाकुड़ तथा आदिम जुमिद् आखड़ा मड़गाँव के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को पाकुड़िया प्रखंड के तालवा सिदो कान्हू मुर्मू चौक से सरना धर्म सागाड़ रथ के भ्रमण का शुभारंभ हुआ। यह रथ लागडुम, चिरुडीह, मड़गाँव, कर्मनाला, मुरगाडंगा होते हुए पश्चिम बंगाल बॉर्डर राधानगर तेगुड़िया, तीनसुलिया, पलियादाहा, लोवाडीह, दंदुघुटु, सिंहपुर, बाबुझुटी, गुणपुरा, जानहेडीह, खाक्सा, पाकुड़िया बाजार, शहरपुर आदि गांव में सरना दौरा किया । रथ भ्रमण द्वारा बताया गया कि आदिवासियों का अस्तित्व एवं पहचान कलम कोड में सरना धर्म शामिल की माँग को लेकर अविलम्ब केंद्र सरकार घोषणा करें नहीं तो आगे राष्ट्रव्यापी अनिश्चितकालीन चक्का जाम किया जाएगा । इस सरना सागाड़ रथ में कामेश्वर हाँसदा पाकुड़िया प्रखंड संयोजक, महेंद्र टुडू, रतन टुडू, सेवानिवृत्त शिक्षक मंदन मुर्मू महेशपुर, संजली मुरमू, आनथोनी सोरेन, राजेश मरांडी सहित कार्यकर्ता शामिल थे ।

हमें जोर-शोर से बूथ स्तर पर मजबूती से कार्य करने की जरूरत है: दानिएल किस्कु

अमड़ापाड़ा(पाकुड़): बुधवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया. बैठक मण्डल अध्यक्ष राकेश कुमार दास की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य रूप में लिट्टीपाड़ा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुसूचित जनजाति मोर्चा दानिएल किस्कु उपस्थित रहे । बैठक भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता रहे मनसफुल हक की आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक मिनट का मौन सभी कार्यकर्ताओं ने रखा। उसके पश्चात बैठक आरंभ किया गया। वरिष्ठ नेता दानिएल किस्कु ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जोर-शोर से बूथ स्तर पर मजबूती से कार्य करने की जरूरत है। मण्डल में सभी मोर्चा के कार्यसमिति की समीक्षा की गई एवं नए कार्यकर्ताओं को भाजपा से जोड़ने का निर्देश दिया गया . साथ ही वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को झूठा वादा कर सत्ता में बैठे हेमन्त सोरेन सरकार के खिलाफ युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को आंदोलन करने का आ''हन किया। बैठक में जिला महामंत्री बिजय कुमार भगत, ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री बिजय भगत, किसान मोर्चा जिला मंत्री सुनील मण्डल, वरिष्ठ नेता अनिल पहाड़िया, मण्डल उपाध्यक्ष ललन भगत, मण्डल कोषाध्यक्ष संजय भगत, युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष नीतीश कुमार, सोशल मीडिया प्रभारी धीरज कुमार, विष्णु भगत समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जान पर खेलकर स्वजनों ने तिसरी के व्यवसायी बंधुओं की शवों को घने जंगल से किया बरामद।

तिसरी/गिरिडीह। गिरिडीह ज़िले के तिसरी प्रखंड अंतर्गत पंदनाटांड़ निवासी एवं व्यवसायी अंशु बरनवाल एवं उसके भाई चंदन बरनवाल की बिहार की जमुई जिले के मनवा पहाड़ी खैरा की तराई पर हत्या कर दी गई थी। मृतकों के भाई कुंदन बरनवाल ने कपड़ा, मास्क व बाइक के आधार पर दोनों शवों की पुष्टि की है। दोनों शवों की बरामदगी गिरिडीह या जमुई पुलिस ने नहीं बल्कि मृतकों के स्वजनों ने बुधवार की दोपहर को की है। स्वजनों की सूचना के बावजूद गिरिडीह जिले की तिसरी एवं जमुई जिले की खैरा थाना पुलिस ने शवों की बरामदगी के लिए कोई कोशिश नहीं की। जान पर खेलकर स्वजनों ने घने जंगल से शवों को बरामद किया। दोनों भाई 22 जून को राजधनवार के एक व्यवसायी के यहां जाने की बात कहकर पल्सर बाइक से घर से निकले थे। उसके बाद से दोनों भाई का कुछ भी अता-पता नहीं है। स्वजनों ने तिसरी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में बिहार के जमुई जिले के खैरा थाना अंतर्गत गरही डैम के पास गायब चंदन का पर्स मिला था। दोनों भाइयों को बिहार के बादिलडीह पुल पर 22 जून की शाम को अंतिम बार देखा गया था। स्वजनों ने इसकी सूचना जमुई पुलिस को भी दी थी। तिसरी थाना पुलिस ने इस मामले में संदिग्ध बिहार के जमुई सोनो निवासी पीर बाबा प्रभाकर मंडल को भी दिल्ली से हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की थी।

जनसंख्या समाधान फाउंडेशन ने छह प्रखंड का चयन किया गया, की गई नामों की घोषणा

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़: बुधवार को रेलवे मैदान पाकुड़ में जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की बैठक जिलाध्यक्ष हिसाबी राय की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक हुई. जिसमें जनसंख्या समाधान फाउंडेशन योद्धाओं के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में राष्ट्र हित में देश में जनसंख्या नियंत्रण हेतु एक कडा कानून बने, इसके लिए पूरे देश में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पाकुड़ जिले में भी इसके लिए प्रयास चल रहा है। विभिन्न स्तरों पर जागरूक एवं उत्साही लोगों को जिम्मेदारी दी जा रही है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए पाकुड़ नगर एवं छः प्रखंडों के लिए प्रखंड अध्यक्षों का चयन किया गया है, जिसका विधिवत घोषणा जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष हिसाबी राय ने किया। पाकुड़ नगर के लिए सुशील साहा, पाकुड़ प्र- खंड मोहन कुमार मंडल, हिरणपुर लखी प्रसाद साह, लिट्टीपाड़ा प्रशांत मंडल, अमड़ापाड़ा संतोष कुमार सिंह, महेशपुर अमित कुमार अग्रवाल एवं पाकुड़िया हृदयानंद भगत के नामों की घोषणा की गई। उत्साहपूर्ण वातावरण में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सभी नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्षों का स्वागत किया गया। मंचासीन सभी अधिकारियों ने सभी प्रखंड अध्यक्षों को अंग वस्त्र प्रदान कर एवं माला पहनाया और अभियान में कूद पड़ने का आ''ान किया। बैठक में उपस्थित सभी सम्मानित लोगों ने नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्षों के प्रति शुभकामना व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष हिसाबी राय ने कहा कि हम बहुत जल्द जिला कार्यसमिति की घोषणा करने वाले हैं। सभी प्रखंड अध्यक्ष भी अपनी कार्यसमिति एक सप्ताह के अंदर बना बना लें जिससे विधिवत प्रखंड समिति की घोषणा की जा सके।इसके साथ धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात आज की बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के संरक्षक- सह- भाजपा नेता अनुग्राहित प्रसाद साह, संभाग प्रभारी विश्वनाथ प्रसाद भगत, जिला परिषद के उपाध्यक्ष पिंकू शुक्ला, महिला विंग के जिलाध्यक्ष सबरी पाल, युवा विंग के जिलाध्यक्ष अनिकेत गोस्वामी के अलावे कार्यक्रम में वार्ड पार्षद अशोक प्रसाद, राणा ओझा, पूर्व प्रधानाध्यापिका कल्पना मुखर्जी, साधना ओझा, पूर्व वार्ड पार्षद बेला मजूमदार, गोपी दुबे, राम रंजन सिंह, भागीरथ तिवारी, राजेश डोकानियां, धर्मेंद्र शाह, राजेश यादव, नंदलाल ओझा, पुरुषोत्तम राय, अधिवक्ता संजीत मुखर्जी रणजीत चौबे, मनीष पाण्डेय, सुलेमान मुर्मू, नरेंद्र शाह, अमर ठाकुर, बहादुर मंडल, राजेश साहा, जीतू सिंह, मिठू दुबे, सुभाष किस्कू उपस्थित थे.

आदिवासी नौकरी पेशा लोगों पर जताया आक्रोश

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़: पाकुड़िया प्रखंड के लागडुम पंचायत अंतर्गत तालवा हाटपाड़ा में बुधवार को आदिवासी सेंगेल अभियान के जिला परगाना गानेल हेम्ब्रम, जिला संयोजक सनातन हेम्ब्रम सहित पाकुड़ जिला छात्र मोर्चा अध्यक्ष रसिक मरांडी व अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा सरकारी नौकरी पे- शा धारी आदिवासियों के प्रति गहरी नाराजगी जताते हुए उनका पुतला दहन किया। जिला परगना श्री हेम्ब्रम ने बताया कि सरकारी नॉकरीवाले अधिकांश आदिवासी अपने समाज के हासा-भाषा, जाति, धर्म, इज्जत, आबादी रोजगार चास बास बचाने को जरा सा भी सामुदायिक सहयोग नहीं करते हैं । ये लोग केवल और केवल अपना पेट और परिवार एवं परिजनों के लिए ही जीते हैं । अतः उनको जगाने और जोड़ने के लिए आदिवासी सेंगेल अभियान की तरफ से 21 जुलाई को कुल 5 प्रदेशों में उनका पुतला दहन किया गया । श्री हेम्ब्रम ने कहा कि आदिवासी नौकरी धारी अपने समाज को बचाने के लिए सहयोगी बने । समाज को संस्कृति को आगे बढ़ाने में इसमे सुधार करने में अपनी अहम भूमिका अदा करें । समाज के प्रति उनकी भी महती जिम्मेवारी है. वे सभी इस बात को समझने की चेष्टा करें । कार्यक्रम को सफल बानाने में सेंगेल माँझी पियु हांसदा, फिलीप सोरेन, स्टार कमांडर फिलीप सहित दर्जनों अन्य कार्यकर्ता शामिल थे ।

कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर शहीद कुंदन कुमार ओझा को एनसीसी ने किया सम्मान

(झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि)

साहिबगंज। 36 एनसीसी बटालियन झारखण्ड धनबाद,ग्रुप हेड कॉटवर हज़ारीबाग की ओर से शहीद कुंदन कुमार ओझा के घर पर आकर हेड क्वार्टर ब्रिगेडियर एस चक्रवर्ती व कर्नल हर्ष सेठी के निर्देशानुसार 22 7 2021 कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष पर सूबेदार गुलविंदर सिंह व हवलदार अर्जुन बी के एनएसएस नोडल पदाधिकारी डॉ रणजीत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से शहीद कुंदन कुमारओझा के परिवार से मिलकर उनके परिवार को सांत्वना दी तथा उनके तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सलामी दी वही बटालियन की ओर से उपहार स्वरूप सम्मान शहीद कुंदन कुमार ओझा की धर्म पत्नी नर्मता कुमारी को उपहार भेंट की गई । पिता भावुक हुए सम्मान पा कर उन्होंने आभार व्यक्त किया एनसीसी व महाविध्यालय परिवार का । वही मौके पर एन एस एस के नोडल पदाधिकारी डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा में राष्ट्रीय जिम्मेदारी निभाई शहीद कुंदन कुमार ओझा ने हमें गर्व है कि वे हमारे साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज परिवार के एनसीसी कैडेट के रूप में सदस्य थे। एन एस एस साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज के सीनियर अंडर ऑफिसर शंकर कुमार यादव अंडर अफसर करिश्मा कुमारी सहित अन्य एनसीसी के जूनियर कैडेट एनएसएस के विनय टुडू सुनील हांसदा व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हॉकी झारखंड एवं झारखंड कुश्ती के अध्यक्ष एवं हॉकी इंडिया के उपाध्यक्ष भोला नाथ सिंह टोक्यो जाएंगे

- **टोक्यो ओलंपिक गेम्स 2020-21 के लिए हॉकी इंडिया के डेलिगेट्स के रूप में**

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़: टोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड की दो बेटियां निक्की प्रधान एवं सलीमा टेटे के बाद हॉकी झारखंड को और एक सुनहरा अवसर मिल रहा है. हॉकी इंडिया ने टोक्यो ओलंपिक गेम्स के लिए अपने डेलिगेट्स के रूप में हॉकी झारखंड के अध्यक्ष एवं हॉकी इंडिया के उपाध्यक्ष भोला नाथ सिंह को नॉमिनेट किया है । भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉक्टर नरेंद्र ध्रुव बत्रा एवं महासचिव राजीव मेहता ने भोला नाथ सिंह को पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी दी. यह झारखंड राज्य के लिए बहुत ही गर्भ और खुशी की बात है की टोक्यो ओलंपिक गेम्स में हमारे खिलाड़ियों के साथ-साथ हमारे हॉकी झारखंड के अध्यक्ष फेडरेशन हॉकी इंडिया एवं भारतीय ओलंपिक संघ के तरफ से पदाधिकारी के रुप में जा रहे हैं यह बहुत ही किसी भी राज्य के लिए गौरव की बात है. हॉकी झारखंड के इतिहास में जिस तरह टोक्यो ओलंपिक गेम्स के लिए दो-दो खिलाड़ियों का चयन हॉकी में हुआ है उसी प्रकार हॉकी झारखंड के इतिहास में यह पहला अवसर है जब राज्य संघ के मुखिया को भी हॉकी इंडिया के तरफ से चुना गया है। जिस तरह भोला नाथ सिंह के उपस्थिति से ही झारखंड की टीम अच्छा प्रदर्शन करने लगती है उम्मीद है की ओलंपिक में भी उनकी उपस्थिति से भारतीय महिला एवं पुरुष टीम अच्छा प्रदर्शन कर 1980 के बाद का इतिहास को दोहराएगी । भोला नाथ सिंह इसके पूर्व भी आयोजित विश्व चैंपियनशिप, ऐशियन गेम्स, कोमनवेल्थ गेम्स एवं ओलंपिक गेम्स जैसे खेलों में अएजे कोच, मनेजर या डेलीगेट के रुप मे प्रतिनिधित्व किए हैं। इनके नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों के अथक प्रयासों से कोच और खिलाड़ियों के अथक परिश्रम से झारखंड मे हॉकी एवं कुश्ती नई-नई उचाई छू रही है । भोला नाथ सिंह के चयन होने पर हॉकी पाकुड़ के संरक्षक अम्लान कुसुम सिन्हा, अध्यक्ष रामरंजन कुमार सिंह, सचिव प्रकाश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष मार्क बास्की, उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, उमर ×फारुक, संयुक्त सचिव जवाहर कुमार सिंह, संजय कुमार भगत, जॉन मुर्मू, प्रवीण कुमार सिंह, मीरा प्रवीण सिंह, अमित कुमार सिंह, जॉन जंतु सोरेन, सहित हॉकी,कुश्ती पाकुड़ के समस्त पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने बधाई दी है।

50 वर्षीय वृद्ध विधवा महिला की हत्या सौतेले बेटा ने की, पुलिस ने बेटा को गिरफ्तार जेल भेज दिया

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़: लिट्टीपाड़ा सिमलोंग ओपी क्षेत्र के बासजोडी गांव में मंगलवार को बृद्ध महिला के हत्या मामले में पुलिस ने हत्यारा सौतेले बे- टे मरांगबा जेठा टुडू को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया. पुलिस ने मरांगमय की हत्या की गुथी महज 6 घण्टे में सुलझाने में सफल हुआ. प्राप्त जानकारी के अनुसार विधवा 50 वर्षीय मरांगमय मुर्मू की हत्या उसके सौतेले पुत्र ने सोमवार प्रातः लाठी से पीटकर कर दिया था। जिसकी प्राथमिकी मृतक के भतीजा गुपिन टुडू ने दर्ज कराया है. गुपिन टुडू ने बताया कि मेरी चाची मरांगमय मुर्मू के पति देवीचंद टुडू की अकाल मृत्यु महज दो माह पूर्व अज्ञात बीमारी के कारण हो गया था. उनको पहली पत्नी से एक पुत्री है जो आसाम में रहती है और सौतेला पुत्र मरांगबा जेठा टुडू गाँव में ही अलग रहता है. मृतक मरांगमय मुर्मू अपना सम्पति का कुछ भाग बेटी को देने से हत्यारा सौतेला पुत्र ने विरोध कर रहा था. साथ ही उन्होंने मृतक के घर से एक माह पूर्व सामान चोरी किया था जिसमें वह पकड़ा गया था. जिसकी पंचायती गाँव में की गई थी, जहाँ उन्हें ठाट भटकर लगा था और आर्थिक जुर्माना भी लगा था. जिसके गुस्सा की वजह से जेठा ने अपनी सौतेला माँ की हत्या कर दी. पुलिस के समक्ष स्वयं जेठा ने हत्या करने का जुर्म स्वीकार किया. थाना प्रभारी प्रेमचन्द भगत ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर अपराधी मरांगबा जेठा टुडू को जेल भेज दिया गया.

जमुआ में शांति एवं सौहार्द पूर्ण वातवरण में सम्पन्न हुई ईद-उल-अजहा की नमाज

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

जमुआ/गिरिडीह :शांती एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में बुधवार को जमुआ प्रखंड में ईद-उल-अजहा त्योहार सम्पन्न हो गया।वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण को देखते हुवे प्रखंड के सभी अल्पसंख्यक बहुल गांवों के लोग लॉक डाउन एवं सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुवे अपने अपने घरों में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा किए।वहीं प्रखंड के मस्जिदों एवं ईदगाहों में सन्नाटा पसरा रहा लोगों ने बताया कि सरकारी गाइडलाइन एवं मस्जिदों के ईमाम तथा गांव के सदर सेक्रटरी का दो दिन पहले से सख्त निर्देश था कि ईद की नमाज जैसा ईद-उल-अजहा की भी नमाज अपने अपने घरों में पढ़ेंगे लोगों ने बताया कि एक साथ ईदगाह में सभों के साथ नमाज अदा करने में जो खुशी मिलती थी और एक दूसरे से गले मिल कर मुबारकबाद दिया जाता था उस पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहा सभों ने सोशल डिस्टेंस का अनुपालन करते हुवे अपने अपने घरों में नमाज अदा कर क्षेत्र में अमन चैन एवं तरक्की तथा कोरोना महामारी के खात्मा के लिए पूरी शिद्दत के साथ दुआ मांगें,तत्पश्चात कुर्बानी दी गई।इस बाबत स्थानीय समाजसेवी मो.अबुजर नोमानी,अफरोज आलम, इस्माइल अंसारी, असरार आलम,चिना खान, जुल्फिकार अली, प्रो.शमीम, महशर ईमाम, एकरार आलम, नोशेर आदिल, मो.असलम,जुन्नैद आलम, शाहिद इ×कबाल,प्रवेज आलम, अख्तर अली, मुमताज़ अंसारी,सहित दर्जनों लोगों ने कहा ईद-उल-अजहा की नमाज शांति एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में प्रखंड के सभी अल्पसंख्यक बहुल गांवों में मनाया गया।इधर त्योहार शांति पूर्ण मनाने हेतु प्रखंड प्रशाशन मुस्तैद दिखे एकतरफ जमुआ बीडीओ अशोक कुमार अपने दर्जनों कनिये पदाधिकारियो एवं कर्मियों को क्षेत्र में दंडाधिकारी के रूप में नियुक्त कर विधी व्यस्था में लगाये थे वहीं थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दास भी अपने सारे पुलिस बल को दिन भर क्षेत्र में तैनात किए हुवे थे वहीं बीडीओ अशोक कुमार, सीओ द्वारिका बैठा,पुलिस इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह तथा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दास ,हिरोडीह थाना प्रभारी राधेश्याम पांडे ,नवड़ीहा ओपी प्रभारी सावन कुमार साहु खुद क्षेत्र भर्मण कर विधि व्यस्था चुस्त करने में लगे थे वहीं पदाधिकारीयों ने शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार सम्पन्न होने पर क्षेत्र वासियों को मुबारक बाद दिए ।

संक्षिप्त समाचार

जनसम्पर्क अभियान के दौरान मृतक के परिजनों से मिले पूर्व विधायक राजकुमार यादव

गावां/ गिरिडीहः गावा प्रखंड के भिन्न - भिन्न क्षेत्रों में बुधवार को भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने जनता के जनसमस्याओं को लेकर जनसम्पर्क अभियान चलाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनवार पूर्व विधायक राजकुमार यादव उपस्थित हुए। इस दौरान गाँवा प्रखंड अंतर्गत पसनौर पंचायत के ग्राम अम्बासखूआ में बीते दिन हुए मौत की खबर सुन उनके परिजनों से मिलने उसके घर पूर्व विधायक पहुंचे। उन्होंने कहा इस कोरोना महामारी और सरकार की गलत नीतियों के कारण देश अगर किसी को सबसे अधिक नुकसान हुआ है तो वो है गरीब- मजदूर किसान और छात्र नौजवान। इस भजपा सरकार से देश का भला कभी नही हो सकता है। संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस दुःख की घड़ी में मैं और हमारी पार्टी भाकपा माले हमेशा आपके हर सुख दुःख की घड़ी में खड़ी रहेगी।

सोसो कलां की निवासी महिला दो सप्ताह से लापता

- 07 जुलाई को घर पर चूड़ी खरीदने की बात कह कर गई है

रामगढ़: गोला प्रखंड के सोसो कालं निवासी 35 वर्षीय महिला सुनीता देवी पति गोलखनाथ महतो 2 सप्ताह से लापता।काफी खोजबीन के बाद सुनीता देवी का कुछ पता नहीं चलने पर बुधवार को सुनीता देवी के पुत्र मनोज कुमार महतो ने गोला थाना में लिखित आवेदन देकर सुनीता देवी की खोजबीन की अपील की है। मनोज मनोज कुमार महतो ने बताया कि उसकी मां 07 जुलाई से घर से लापता है। सुनीता देवी 7 जुलाई को घर पर चूड़ी खरीदने की बात कह कर गई है। सुनीता देवी का रंग सावला, चेहरा गोला एवं शरीर मोटी है और साड़ी एवं हवाई चप्पल पहनी हुई है। सुनीता देवी के बारे में कहीं भी सूचना मिलने पर संपर्क सूत्र 6204287429 पर परिजनों ने लोगों को जानकारी देने की अपील की है।

मजदूर जा रहा था मजदूरी करने,रास्ते में काल ने निगला,अचानक चक्कर आने से हुई मौत

रामगढ़: जब घर का गार्जियन घर से निकलता है की आखिर वो अपने परिवार,बच्चों का भरण-पोषण कैसे करें इसके लिए हर कोई अपने अपने तरीके से प्रयाश में जुटे रहतें है।पर शायद ये कोई नही जानता है की आखिर मौत किस रूप में किसको कहाँ अपने आगोश में लेने को तैयार बैठा है।प्राप्त जानकारी अनुसार बुधवार को हेहल निवासी परमेश्वर अपने साइकिल से गोला कामता स्थित ब्रह्मपुत्र मेटालिक्स में ड्यूटी के लिए निकले इसी बीच चितरपुर बस स्टैंड के पास अचानक चक्कर खाकर गिर पड़े जिस देखकड सवेरे चाय पीने वाले ग्रामीण पास पहुँच कर मदद का प्रयाश करते तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।सूचना पाने के बाद मृतक के परिजन और रजरप्पा पुलीस मौके पर पहुँच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वहीं परिजनों ने बताया की सूचना मिलने घर महिलाओं का रो रो कर बुरा हाल है सबसे चिंता की बात है की मृतक के तीन बच्चे है जिनका भरण पोषण आखिर कैसे होगा।

सिंगारसी डैम से मिला 22 किलो का मछली, ग्रामीणों ने आपस में बाँट

अमड़ापाड़ा(पाकुड़): प्रखंड के सिंगारसी एयर वैस केंप पर स्थित डैम पर सफाई के दौरान एक 22 किलो का एक बह कर ग्रामीणों के हाथ लग गया. ग्रामीणों ने मछली को काट कर आपस में बाँट लिया. मिली जानकारी के अनुसार बीते मंगलवार को सिंगारसी में जमकर बारिश हुई थी. बुधवार को दोपहर के बाद आदिवासी पहाड़िया ग्रामीण डैम में मछली मारने गया था उसी दौरान 22 किलो का एक मछली डैम से उछल कर पानी के साथ बहने लगा. ग्रामीणों मछली को लाठी डंडा से मर कर घायल कर दिया. ग्रामीण मछली को लेकर डूमरचीर गांव ले आया. मछली को देखने के लिए ग्रामीणों का तांता लग गया. तत्पश्चात ग्रामीणों ने मछली को काटकर आपस में बाँट लिया.

बंद पड़े ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना डुमरी जामतारा को लेकर बैठक आयोजित।

डुमरी/गिरिडीह।

डुमरी प्रखंड में बंद पड़े ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना डुमरी जामतारा को चालू कराने की मांग को लेकर बुधवार को पेयजल उपभोक्ताओं की एक बैठक पंचायत भवन जामतारा में आहुत की गई।बैठक में उपस्थित उपभोक्ताओं ने बीते लगभग दो ढाई वर्षो से बंद पड़े पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से होने वाली परेशानियों पर चर्चा करते हुए कहा कि पेयजल आपूर्ति नहीं होने से कई लोगों खासकर गर्मी के दिनों में पानी की किल्लत हो जाती है और लोगों को मजबूरन रतजगा कर घर से दूर जाकर पानी लाना पड़ता है जिससे लोगों की नींद हराम होती है साथ ही पानी ढोकर लाने में परेशानी होती है सो अलग।बैठक में उपस्थित प्रमुख वक्ता सह क्षेत्र के पूर्व जिप सदस्य प्रशांत जायसवाल ने कहा कि जीवन में भोजन से ज्यादा महत्व पानी का है क्योंकि मानव जीवन में दिनचर्या की शुरुआत ही जल से होती है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि क्षेत्र की पेयजलापूर्ति व्यवस्था लगभग दो ढाई वर्षो से बंद है लेकिन क्षेत्र के कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि और संबंधित विभाग भी मौन साधे बैठा है।इस दौरान उपभोक्ताओं ने पेयजल आपूर्ति चालू कराने हेतु लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने की बात कही और इसके लिए पेयजल आपूर्ति उपभोक्ता संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया जिसमें पूर्व जिप सदस्य प्रशांत जायसवाल एवं निर्मल जायसवाल को संरक्षक आशीष अग्रवाल को अध्यक्ष मुनेश्वर उर्फ मुन्ना मंडल को उपाध्यक्ष छोटन शर्मा को सचिव संजय अग्रवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया साथ ही निर्णय लिया गया कि 24 जुलाई को जलापूर्ति चालू करने की मांग को लेकर अनुमंडल कार्यालय परिसर में कोरोना प्रोटोकॉल के तहत एकदिवसीय धरना दिया जाएगा।

बैठक में धर्मजय जायसवाल, सुजीत कुमार, बालगोविंद शर्मा,शक्ति अग्रवाल, सतीश गुप्ता, बीरेन्द्र भगत, राजीव कुमार, पंकज बरनवाल, मोतीलाल पंडित,बीरू रविदास आदि उपस्थित थे।

शिव भक्तों ने दिया आस्था का परिचय,सादगी पूर्ण तरीके से मंडा पर्व हुआ संपन्न

(झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि)

रामगढ़: प्रखंड अंतर्गत कुंदरू कला पंचायत मैं बुधवार सुबह सादगी पूर्ण तरीके से मंडा त्यौहार को मनाया गया। सरकार द्वारा गाइडलाइन जारी किया गया का पालन करते हुए एवं कोरोना महामारी को देखते हुए मंडा पर्व के अवसर पर भीड़ भाड़ पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहता था सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित किया गया एवं केवल एक दर्जन शिवभक्तों द्वारा बुधवार को अहले सुबह दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर शिव शक्ति की भक्तों द्वारा कठिन परीक्षा दी गई शिव भक्तों द्वारा शिवालय मंदिर के मुख्य पुरोहित कृष्णा दुबे के द्वारा शिव पार्वती की गाजे बाजे के साथ पूजा अर्चना कराया गया मंडा पूजा को लेकर पिछले 24 घंटों से निर्जला उपवास रखकर शिव उपासना में लीन रहे तथा शिव पार्वती की महिमा और शिव भक्ति एंवं आस्था के प्रति श्रद्धालु विधि विधान से पूजा अर्चना भी किए । इस मौके पर मंडप पूजा समिति में मुखिया प्रतिनिधि किसुनराम मुंडा सांसद प्रतिनिधि धनेश्वर महतो, पंसस विजय केसरी, नेवालाल महतो पूर्व मुखिया उमेश महतो ,शंभू महतो घाना महतो, मोहराई महतो,शैलेंद्र महतो राजेश केसरी ,गोपाल महतो,कुलेश्वर महतो,सुंदर लाल महतो,महेंद्र महतो,हीरालाल महतो,नंदलाल नायक,दीपक नायक, कार्तिक नायक,सहित दर्जनों ग्रामीण का सरहनीय योगदान रहा।

मुखिया ने पिता के चौथी पुण्यतिथि पर दर्जनों फलदार वृक्ष लगाए

(झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि)

रामगढ़: रामगढ़ प्रखंड के कुंदरू कला पंचायत के मुखिया शीला देवी एवं किशुन राम मुंडा द्वारा अपने पिता स्वर्गीय नारायण पहान के चौथी पुण्यतिथि पर दर्जनों किस्म के फलदार पौधा आम,जामुन,कटहल,करम, कदम,अशोक सागवान,गुलमोहर सहित कई प्रजाति के पौधे लगाए।इस दौरान मुखिया ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण बहुत जरूरी है पेड़ पौधा हमें फल फूल छाया लकड़ी देतें है और वातावरण को प्रदूषित होने से बचाते है।मौके पर सांसद प्रतिनिधि धनेश्वर महतो उर्फ डीएम डेगलाल मुंडा, किशोर महतो,उमाशंकर महतो,बसंत महतो महेश महतो, आजसू नेत्री प्रियंका देवी, पिंकी देवीष अनोखी देवी,मालती देवी, शोभा कुमारी, कलावती देवी ,पार्वती देवी, निभा देवी ,सविता देवी ,पंचम देवी, दसवीं देवी, बेबी देवी सहित दर्जनों लोग वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल थे।

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के तत्वाधान में जन चौपाल कार्यक्रम का हुआ आयोजन।

गावां/ गिरिडीह। लॉक डाउन के दौरान स्वास्थ्य के साथ साथ बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा पर भी संकट बढ़ा है। पिछले लगभग दो वर्षो से स्कूल पूरी तरह से बंद हैं। जिसके परिणामस्वरूप पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह व बाल दुर्व्यापार की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं जिसे हर हाल में रोकना होगा। बाल श्रम, ट्रैफिकिंग व बाल विवाह के मुद्दे पर सामाजिक चेतना को जागृत करने के अभियान को जनांदोलन बनाने की जरूरत है। तभी इन सामाजिक बुराईयों को खत्म किया जा सकता है। नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के विचारों से देश मे बालमित्र समाज निर्माण की एक नई सोच विकसित हो रही है। जो भारत को बदलेगी। उक्त बातें कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के तत्वावधान में बाल मित्र ग्राम गदर में आयोजित जन चौपाल को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत के मुखिया ब्रह्मदेव शर्मा ने कही।गदर पंचायत समिति सदस्य दिनेश्वर यादव ने कैलाश सत्यार्थी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि श्री सत्यार्थी जैसे महान व्यक्तित्व की प्रेरणा से हमारी ग्राम पंचायत को बालमित्र ग्राम के लिए चयनित किया गया। गदर बाल पंचायत के मुखिया नरेश कुमार ने बच्चों की अवैध खरीद- फरोख्त को रोकने के लिए कैलाश सत्यार्थी के संघर्षों के बारे में बाताते हुए कहा कि ट्रैफिकिंग रोकने हेतु कानून बनाने की मांग को लेकर आदरणीय कैलाश सत्यार्थी ने 2017 में कन्याकुमारी से दिल्ली तक भारत यात्रा का नेतृत्व किया था। जिसमें गिरीडीह व झारखंड के हज़ारों बच्चे भी शामिल हुए थे।

हम बाल पंचायत के बच्चे सरकार द्वारा प्रस्तावित एंटी ट्रैफिकिंग विधेयक का सनर्थन करते हैं तथा गिरीडीह व कोडरमा के माननीय सांसदों से निवेदन करते हैं कि इसे पास करने में सहयोग करें जिससे कि हम बच्चों की सुरक्षा हो सके। सत्यार्थी फाउंडेशन के सहायक परियोजना पदाधिकारी उदय राय ने बताया कि आज बाल मित्र ग्राम गदर, मालडा, महेशपुर, सिरी ,ककमारी समेत 7 बाल मित्र ग्रामो में जन जागरूकता अभियान का कार्यक्रम चलाया गया।

यह अभियान एक सप्ताह तक चलाया जाएगा।

आज के अभियान में नरेश कुमार,पवन कुमार,करिश्मा कुमारी, इकराम अंसारी, अमरदीप कुमार, सुदामा कुमारी, पिंकी कुमारी, संदीप कुमार, खुश्बू कुमारी, अमित कुमार, श्रीराम कुमार, अनिल कुमार, कृष्णा पासवान, सुरेंद्र सिंह, भीम चौधरी, पंकज कुमार,वेंकटेश प्रजापति, सतीश मिस्त्री, प्रीति कुमारी सहित सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया।

आजसू छात्र संघ की चितरपुर प्रखंड कमिटी गठित राज कुमार अध्यक्ष व प्रशांत तिवारी बनें महासचिव

(झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि)

रामगढ़: केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार आजसू छात्र संघ की प्रखंड कमिटी गठित की गई। कमिटी गठन में बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ जिला प्रभारी सह विनोबा भावे विश्वविद्यालय प्रभारी राजेश कुमार महतो व विशिष्ट अतिथि विभावि वरीय उपाध्यक्ष देवा महतो,उपाध्यक्ष अनुराग भारद्वाज, मनोज कुमार, नीतिश निराला, लालकेश्वर महतो, दशरथ महतो, शामिल हुए।बैठक की अध्यक्षता विनोबा भावे विश्विद्यालय सचिव सुबीन तिवारी व संचालन विभावि प्रवक्ता उमेश कुमार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए राजेश कुमार महतो ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, समाजसेवी सुनीता चौधरी के निर्देशानुसार रामगढ़ विधानसभा के चितरपुर प्रखंड के प्रखंड कमिटी गठित की गई है। उन्होंने कहा कि छात्र राजनीत से भावी राजनीति के नेता और समाजसेवी लोगों की पौध तैयार होती है।कमिटी गठन में सर्वसम्मति से अध्यक्ष राजकुमार गिरि वरीय

उपाध्यक्ष दीपक दांगी,मिक्की चौधरी,गिरधारी महतो,उपाध्यक्ष उमेश केवट,जोगी कुमार, आदित्य सिंह, संजीत पटेल,शुभम सोनी, महासचिव प्रशांत तिवारी,सचिवः- देवेश कुमार बादल,सीनोद कुमार,बंटी राज, कृष्णा चौधरी, लोकनाथमहतो,सहसचिव किशोर केवट,रंजन केवट,दिवाकर कुमार, अमितमालाकार, नीलेश मिश्रा, सोम कुमार,सोनू कुमार,कोषाध्यक्ष लालू कुमार महतो,मिडिया प्रभारी सुब्राम्नियम प्रसाद,बजरंग महतो,सोशल मीडियाः-सागर कुशवाहा,पिंटू मुंडा,कार्यसमिति सदस्य विजय साव,शेखर चौधरी, राजेश केवट,टेकलाल महतो, विकाश कुमार, मिथुन महतो, अवधेश मुंडा, पवन कुमार, पिंटू मुंडा, विश्वास कुमार को बनाया गया। बैठक में मुख्य रूप से विभावि सचिव सुमंत चौधरी,छात्र नेता आकाश कुमार,अजय आस्था, अंकित अग्रवाल, सिकंदर कुमार, विक्की महतो, विकाश कुमार, मुकुल अग्रवाल, कृष्णा कुमार, सिनोद कुमार महतो, लोकनाथ महतो, अरूण कुमार कुशवाहा, शंकर महतो, पवन कुमार, नीरज कुमार, दिवाकर कुमार, राजेश केवट, सूरज कुमार, पिंटू मुंडा महतो उपस्थित थे।

स्कूल एनजीओ द्वारा जरूरतमंदों के बीच किया गया राशन कीट वितरण

- बकरीद के मौके पर जरूरतमंदों को दिया गया राशन किट

गिरिडीह ।

बकरीद के मौके पर गरीब परिवारों को जरूरतमंदों को चिन्हित कर राशन किट मुहैया कराया गया।

कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए ब्लॉक कोऑर्डिनेटर विलियम जेकब ने बताया कि यह कार्यक्रम यूनिसेफ स्कूल और चेतना विकास की ओर से गिरिडीह नगर निगम क्षेत्र के साथ-साथ तीसरी, डुमरी और पीरटांड़ प्रखंड क्षेत्र में भी चलाया जा रहा है। अभी अनाथ विधवा, विकलांग, बुजुर्ग, गंभीर बीमारी से ग्रस्त जरूरतमंद लोगों की सूची प्रखंड समन्वयकों द्वारा तैयार किया जा रहा है। सूची तैयार होने के बाद सूची अनुसार लोगों को उनके घरों तक पहुंचा कर राशन किट मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि राशन किट वितरण से पूर्व कोविड-19 एप्रोप्रियेट बिहेवियर के विषय में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही कोविड-19 टीकाकरण के लिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। इसके साथ साथ हाथ धुलाई, मास्क पहनने के तरीके आदि के विषय में लोगों को विशेष तौर पर बताया जा रहा है। स्ट्रीट वेंडर कार्यक्रम के तहत ठेला, राशन दुकान, सब्जी दुकान, कपड़ा दुकान, दवा दुकान, पब्लिक प्लेस में पोस्टर चिपकाकर और लोगों से अपील करवा कर लोगों को कोविड-19 टीका के लिए जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर विलियम जेकब, प्रियंका शर्मा, क्लस्टर कोऑर्डिनेटर पुष्पा शक्ति, शैली हेमरोम, कुमारी निशा, मधुलिका कुमारी, कुमार गौरव, हसन राजा, सरफराज अंसारी, अमीषा शर्मा, तनुश्री आदि शामिल रहे।

कॉमरेड ए. के. राय को श्रद्धांजलि देकर माले ने शुरू किया संकल्प सप्ताह

28 जुलाई कॉमरेड चारू मजूमदार की शहादत पर होगा समापन

गिरिडीह/संवाददाता।

सर्वहारा मुक्ति संघर्ष के महान नेता कॉमरेड एके राय की दूसरी बरसी पर आज भाकपा माले की ओर से उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही 28 जुलाई तक चलने वाले 'संकल्प सप्ताह' की भी शुरुआत की गई।

ऐसा ही एक कार्यक्रम बेंगाबाद प्रखंड के सोनबाद में आयोजित किया गया जिसकी अगुवाई माले नेता दिनेश राय तथा अशोक कुमार तोरे ने संयुक्त रूप से की। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद माले के राज्य कमेटी सदस्य राजेश कुमार यादव ने कहा कि आज के दौर में हमें कॉ. ए के राय जैसे नेताओं के संघर्षों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। जीवन भर उन्होंने शोषण, लूट तथा माफिया राज के खिलाफ समझौता विहीन संघर्ष किया। भ्रष्ट तथा व्यक्तिगत स्वार्थ की राजनीति के युग में भी उनका जीवन पर्यंत सादगी भरा जीवन हमेशा अनुकरणीय रहेगा। श्री यादव ने कहा कि आज मोदी सरकार श्रमिकों के अधिकारों पर लगातार हमले कर रही है, मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं बची है। मजदूरों के हक वाले पहले से बने कानूनों को भी मोदी सरकार खत्म करने पर तुली है। देश के किसानों के खिलाफ काले कानून लाकर अलग से हमला चलाया जा रहा है। ऐसे में कॉमरेड ए के राय जैसे नेताओं के संघर्षों से प्रेरणा लेकर मोदी के नेतृत्व वाली फासीवादी-तानाशाही की सरकार की मेहनतकश विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष को आगे बढ़ाना होगा।

कहा कि आज उनकी दूसरी बरसी से लगातार 1 सप्ताह तक कमरतोड़ महंगाई तथा कोरोना जनसंहार के जिम्मेदार मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष तेज करने के लिए 'संकल्प सप्ताह' के रूप में मनाया जाएगा। इसका समापन 28 जुलाई को कॉमरेड चारु मजूमदार की शहादत दिवस पर होगा। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से आर वाई ए नेता अखिलेश राज, दिनेश राय, अशोक तुरी, दुखी तुरी, जगदेव डोम, मधु तुरी, श्याम तुरी, देवकी डोम, विशाल डोम, रंजीत ठाकुर, संजय डोम, मनु तुरी, धीरज तुरी, गोला तुरी, हुरो तुरी आदि शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

स्थानीय समस्याओं को सूचीबद्ध करने के लिए भाजपा ने किया बैठक

दुमका। स्थानीय समस्याओं को सूचीबद्ध करने के लिए बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के रामगढ़ एवं ठाड़ीहाट मंडल के कार्यकर्ताओं ने बैठक की। धोबा पंचायत भवन में प्रखंड अध्यक्ष प्रसादी मांझी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पर्यवेक्षक जामा के वरीय भाजपा नेता सुरेश मुर्मू उपस्थित थे। वहीं ठाड़ीहाट मंडल के प्रखंड कार्यसमिति की बैठक ठाड़ीहाट मंडल के प्रखंड अध्यक्ष सुरेश प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। दोनों बैठक में प्रखंड में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में फैले भ्रष्टाचार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं ने पर्यवेक्षक मनोज पांडे को बताया कि रामगढ़ प्रखंड में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है। राशन कार्ड मुहैया नहीं रहने की समस्या को भी सूचीबद्ध किया गया।

वहीं स्थानीय सभी जर्जर सड़कों समेत अन्य कई समस्याओं की सूची भी तैयार की गई। सुरेश मुर्मू ने बताया कि प्रखंड कार्यसमिति की बैठक में सभी स्थानीय समस्याओं को सूचीबद्ध कर जिले को भेजा जाएगा। इसके बाद जिले से इसे राज्य भेजा जाएगा। वहां से भाजपा के स्तर से सभी समस्याओं को हल करने का प्रयास किया जाएगा। राज्य से कार्यक्रम तय होने के बाद आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में नवल किशोर मांझी, किशोरी प्रसाद साह, राजीव कुमार गुप्ता, निरंजन मंडल, देवनारायण पंडित, नलिन मंडल, प्रसादी मांझी, सुरेश प्रसाद गुप्ता, दुर्योधन यादव, जयकांत मंडल, दिलीप साह, गौरी शंकर मंडल, दिलीप कुमार भंडारी, केदार साह, रामकुमार साह, डिप्टी मांझी समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया बकरीद

दुमका। उपराजधानी दुमका के सभी प्रखंड के विभिन्न गांवों में सौहार्दपूर्ण हर्षोल्लास और शांति पूर्ण तरिके से बकरीद का पर्व मनाया गया .लोगो ने घर में ही अदा किया नमाज और एक दूसरे को दिया मुबारकबाद।

किसानों ने खेती से पहले मिलकर किए कुंवर बाबा की पूजा

जमुआ/गिरिडीह।

किसान खेती करने से पहले करते हैं गांव के कई देवी देवताओं को आह्वान कर धान रोपनी शुरू करते हैं डबकाती हुई खीर को हाथों से चलाते हैं कुंवर बाबा पुजारी जमुआ प्रखंड के मूरखारी गांव में मां धरती तथा कुंवर बाबा को आज बुधवार विधिवत पूजा कर गांव में वर्षा के मौसम में कोई आपदा ना घटे जानवरों पर कोई ऐसा बीमारी नहीं आवे जिससे किसान को किसानी काम में विपत्ति के सामना ना करना पड़े इसके लिए लोगों ने मां धरती और बाबा कुमार की पूजा बड़ी धूमधाम से किए इसके पहले लोग गांव में बने मंडप मां भगवती की ढोल बाजे के साथ पूजा अर्चना करके ही खेती के लिए आगे बढ़ते हैं जब तक इन देवताओं को पूजा अर्चना नहीं करते हैं तब तक इस गांव में धान का एक भी बिचारा जमीन पर नहीं बोते पूजा अर्चना के बाद ही लोग धान की खेती का शुभारंभ करते हैं गांव के मां भगवती के पुजारी बनारस राय बताते हैं कि कृषक लोग मां भगवती से आराधना करते हैं किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं बरसा के माह में खेती करने के समय नहीं आवे। कुंवर बाबा के पुजारी प्रीतम महत बताते हैं की सदियों से चला आ रहे है। कुंवर बाबा को पूजा कर कृषि कार्य के लिए खेतो की ओर चल पड़ते हैं यह पूजा से कृषि में लगे जानवर या घर में रखें किसी प्रकार की जानवरों की कोई बीमारी अप्रिय घटना नहीं होती है बिना पूजा किए हुए खेती कर देते हैं तो उस वर्ष विपदा ही विपदा आती है मां धरती थाम के पुजारी घूघारी राय ने कहा कि गांव के मालिक धरती माता ही है इसलिए धरती पर हल चलाने से पहले मां धरती को पूजा किया जाता है ताकि किसान को किसी प्रकार का कोई संकट की सामना ना हो जीस वर्ष पूजा नहीं करते उस वर्ष सांप बिछा या कहीं कीटाणु का समस्या बना रहता है। इसलिए बरसात के माह में कई प्रकार की नई-नई बीमारियां भी उत्पन्न होती है जिससे मां धरती से प्रार्थना कर कहते हैं कि आप इस गांव को रक्षा करें इसके बाद ही लोग खेती के कार्य में लगते हैं। कुमार्थान बाबा के पूजा में बने प्रसाधी दबकते खीर को हाथों से चलाते है की बर्तन से नही आज भी देखने की मिलता जिससे आस्था कुमार बाबा की ओर खींच लेते हैं धर्म है धर्मात्मा होना चाहिए आप उस पर विश्वास रखें ।पूजा के बाद भैरो बाबा के रूप में बच्चों को शरबत पिलाया जाते हैं और उनसे आशीर्वाद मांगते हैं उस वक्त बच्चे भैरव बाबा ही रहते हैं।पूजा में उप मुखिया नागेश्वर सिंह संजय पंडित प्रकाश जाधव तूफान पंडा राजकुमार पंडा बढ़न पंडा एतवार यादव शालिग्राम सिंह अशोक सिंह दिलेश्वर यादव खीरू महतो विनोद यादव सहित दर्जनों लोगों ने पूजा की व्यवस्था मैं लगे रहे।

चेगरो पंचायत के पंचायत सचिवालय में पंचायत कमिटी के सभी अनुषांगिक इकाई का हुआ गठन

डुमरी/गिरिडीह।

आजसू पाटी के डुमरी प्रखण्ड अंतर्गत चेगरो पंचायत के पंचायत सचिवालय में पंचायत कमिटी के सभी अनुषांगिक इकाई का गठन कर पंचायत सम्मेलन आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सतीश कुमार और संचालन युवा प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष पिंटू कुमार ने की। सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर पप्पु कुमार शर्मा, सचिव के पद पर इंद्रदेव महतो, कोषाध्यक्ष के लिए जागेश्वर पंडित, उपाध्यक्ष के लिए अनिल शर्मा एवं ताराचंद महतो,मीडिया प्रभारी के रूप में टिंकू कुमार, एवं प्रवक्ता के रूप में संतोष कुमार यादव को चुना गया। विधानसभा प्रभारी श्रीमति यशोदा देवी ने पंचायत के नये पदाधिकारियों को पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई एवं सम्मेलन को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनाव की तैयारी करने तथा सरकार के वादाखिलाफी के विरुद्ध मोर्चा तैयार करने की निर्देश दी। सम्मेलन में आजसु पार्टी के जिला उपाध्यक्ष छक्कन महतो, प्रखंड अध्यक्ष सतीश कुमार, प्रखण्ड सचिव महेश वर्मा,युवा प्रकोष्ट के प्रखंड अध्यक्ष पिंटू कुमार,छात्र संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष दीपक रंगरेज, छात्र संघ के प्रखण्ड सचिव अकाश कुमार, बृहस्पति दास, चैनपुर पंचायत के लोकप्रिय मुखिया रामप्रसाद महतो,मधगोपाली आजसू युवा नेता मोहन महतो,उमेश महतो, परमेश्वर महतो, झारखंडी यादव, रमेश यादव, भुनेश्वर महतो, अजय महतो, राजकिशोर महतो, राजेन्द्र महतो, मोहन महतो, बब्लू कुमार, दिलीप पांडेय, झरी महतो, टहल महतो, एवं फलजीत महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे।

नकरात्मक मानसिकता के निराकरण को उठे सार्थक कदम

झारखण्ड देखो/डेस्क :

किसी भी प्रजातांत्रिक देश के उन्नति व जनता के गुणात्मक जीवन में राजनीतिक कार्य कुशलता एक अहम स्थान रखता है। एक अच्छे एवं कुशल राजनीतिज्ञ से न केवल देश की शांति, सुरक्षा, विकास, स्वास्थ्य, शैक्षणिक गुणवत्ता , प्रशासनिक अनुशासन, आदि की उम्मीद की जाती है बल्कि अच्छे, सच्चे , निष्पक्ष व आदर्श आचरणों की प्रत्याशा भी की जाती है। वैसे पद्चिन्हों व मार्गदर्शनों पर चलने की अपेक्षा भी जाती है जिसपर चल कर देश को गौरवमयी गाथा रची जा सके। वैसा उच्च कोटि का आदर्श स्थापित किया जा सके। उत्तरोत्तर विकास किया जा सके। सर्वकल्याणकारी व न्यायप्रिय व्यवस्था का सिरमौर बनाया जा सके। और तो और ऐसे उच्च आदर्शों की बुनियाद पर विश्व गुरु की परिकल्पना को भी साकार किया जा सके। शायद यह सोचना या कहना यथार्थवादी व व्यवहारवादी चिंतकों को भले कुछ पल के लिए मजाक लगे। एक सपने जैसा लगे। फिर भी सोने की चिड़िया कहलाने वाले भारतीय मातृभूमि मे अच्छे दिन व उज्जवल भविष्य के सपने संजोने में कोई अतिशयोक्ति भी नही है। हा , इतना तो भारतीय संविधान के आलोक में नेतृत्वकर्ताओं से वैसे आचरणों की अपेक्षा तो अवशय की जानी चाहिए जिससे समाज मे सामाजिक समरसता बनी रहे। हर मुश्किल घड़ी में भी मानवीय मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित रहे। संविधान प्रदत्त समता का अधिकार इस बात को भी जाहिर करता है कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में हर एक को सम्मान पाने का हक है तो अभिव्यक्ति की आजादी के साथ जीने का व देश का नेतृत्व संभालने का भी। यानि नेतृत्व के लिए आने वाले लोगो के बीच प्रतियोगिता हो तो उसका स्वास्थ्य सामाजिक आधार हो। स्वास्थ्यपरक मानदंड हो। वैसी दकियानूसी व पूर्वग्रहीत भावना सामने न आए जिससे समरस स्वस्थ्य आचरणों व सकारात्मक विचारों को ठेस पहुंचे।यहां इस बात का दुर्भाग्य समझे या बदकिस्मती कि आज भी यह नकारात्मक मानसिकता नेतृत्व वर्ग में हावी दिखती है। जिस बात का प्रमाण सर्वोच्च संसद भवन में होते विरोध व गतिरोध से परिलक्षित होता है और जिस बात की चिंता देश की सरकार ने स्वयं स्पष्ट तौर पर संसद में जताई है। जनता क्या सोच के चलती हैं। उम्मीद करती हैं। और नेतृत्व बल करते कुछ अलग ही कमाल करते है। ऐसे अशोभनीय इरादें से न केवल देश का नैतिक, सामाजिक व गुणात्मक पक्ष कमजोर होता है बल्कि सम्पूर्ण विकास के मार्ग में बाधक भी साबित होते है। नेता शीर्ष को जहां देश को विकसित राष्ट्र व गरिमामयी बनाने के बातों व व्यवहारों में लीन होना चाहिए वहां वो अपने इड की लिप्सा में, स्वार्थसिद्धि में इतने अधिक डूब जाते है कि वो भूल जाते है कि उन्हें जनता के उम्मीदों पर खड़ा उतरना भी है।यह कितना आश्चर्यजनक पहलू है कि वो (तथाकथित नेता) सेवा करने के भाव से हाथ जोड़कर जनता से नेतृत्व की भीख ,आशिर्वाद व मौका तो अवशय मांगते है मगर जीत की खुशी के साथ ही वो वादे सभी दरकिनार कर स्वयं के करोड़ो के धन कमाई में जुट जाते है। यह नीतिगत बातें भी है कि व्यक्ति वही बड़ा , पूज्यनीय, महान व अनुकरणीय होता है जिसके आचरण से देश के प्रत्येक नागरिक को सम्मान की अनुभूति होता हो। मन मे जीवो के लिए प्रेम व त्याग की भावना तो भौतिक संपदा के संरक्षण व सतत विकास की सोच रखता हो। वैसा समानुभूतिक आचरणों में जीने वाला होता हो। यह कहना उतना ही उचित व प्रासंगिक है कि धन व दौलत से भले भौतिक लिप्सा की क्षणिक पूर्ति होती हो मगर इसकी सीमा एक दिखावे की जिंदगी तक ही सीमित रह जाती है। देश की आजादी के 73वें साल बीत गए । बदलते परिवेश में विज्ञान व तकनीकी के युग में जीने की बाते करते है। यहाँ तक कि नव उदारवादी सिद्धांतो की रट लगा रहे है। डिजिटल इंडिया, शाइनिंग इंडिया, मेक इन इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत, आदि-आदि नारों से संभवतः यह बतलाने का प्रयास भी किया जाता है कि वो अचेतन पूर्वाग्रही मानसिकता खत्म हो गई है। वैज्ञानिकता में जीने लगे है। यानि देश को विकसित राष्ट्र बनाने की है तो विश्व गुरु बनाने की चाहत भी। कल्पना है। परिकल्पना है। और तो और जिद्द भी है। हो भी भला क्यो नहीं? यह तो एक गर्व का विषय भी है।लेकिन वर्त्तमान में भय व भ्रष्टाचार की हवाएं सामाजिक, शैक्षणिक, राजनीतिक , प्रशासनिक आचरणों की, यथार्थ बातें की, उन बातों व इरादों की पोल खोल देती है। सवालों के लड़ी लगा देती है। जहाँ लोग या तो किंकर्तव्यविमूढ़ होकर शांत व अचेत हो जाते है या फिर द्वंद्ध, असंतोष, तनाव, विषाद, आदि के साथ भ्रम , विभ्रम व व्यामोह की मनोविकारी लक्षणों के शिकार हो तबियत खराब कर लेते है। और आवेगों का शिकार हो जाते है। जो अलग चिंतनीय माहौल पैदा करता है।अंतर्द्वंद्व की स्थिति में खड़ी जनता यह नही समझ पा रही है कि विकास की बात की हो रही है या घपले-घोटाले की बात हो रही है? सामाजिक सुरक्षा की बात हो रही है या दंगा की योजना बन रही है? क्या उसकी दशा व दिशा है? ऐसे कई विचारणीय प्रश्न मन मे आ धमकते होते है। और जिसका समाधान का विकल्प भी संभवतः आखिर के राजनीतिक निर्णय में ही समा जाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि राजनीतिक निर्भरता हर बात में है। हर निर्णय में है। आशावादी चिंतन यह भी है कि यदि राजनीतिक नेतृत्व सही, सरल, निष्पक्ष अपने विचारों व व्यवहारों से लबरेज हो जाय तो मुमकिन है देश मे वैसी खुशहाली पुनः पटरी पर लौट आएगी जिसकी अपेक्षा अब भी पथराई आंखों को है। लूटते घर व चिरागों को है। और संभवतः आज़ादी की खुशियों की गूंज उन गांवो , कस्बो व पहाड़िया जन समुदाय तक जाएगी जिसकी आस अब भी बंधी है। वो जो उन तमाम योजनाओं से वंचित है और जिससे मिलने से उसके गुणात्मक जीवन मे बदलाव लाया जा सकता है। मगर सबों के मध्य व शीर्ष चिंतनीय प्रश्न यह भी है कि नेतृत्व पक्ष से जिन बातों से उम्मीद बंधती है। विश्वास जुड़ता है। उसका मखौल तो क्षेत्रीय स्तर पर तो उड़ता ही है अब देश की सर्वोच्च राजनीतिक संस्थान में भी नकारात्मक मानसिकता हावी हो यह चिंतनीय विषय है। जिस पूर्वग्रहीत भावना को तिलांजलि कब का दे दिया जाना चाहिए उसको अब भी पाला पोशा जा रहा है। यूँ मानो राजनीति एक परिशुद्ध सेवा क्षेत्र न रहकर एक व्यवसायिक या नौकरी पेशा का क्षेत्र रह गया हो। संभवतः इन भावनाओं से ग्रसित मानसिकता ही है जो यहां पेंशन, वेतन , वाहन, आवास, भ्रमण आदि की सुख सुविधाओं की बढ़त देख न केवल नेतृत्व को खून खराबा कर रहे, असुरक्षा बढ़ा रहे है, भय का माहौल बना रहे है, लोगों को खरीद रहे है बल्कि अपने चरित्र व समझ को बदल कर खुद को बेईमान, भ्रष्टाचारी, झूठा, आदि बना दिया है । इतना ही नही चोर, माफिया, अपराधी, सजायाफ्ता , बेईमान , हत्यारा आदि भी राजनीतिक शरण लेकर जनसेवा के नाम किस्मत अपनी चमका रहे है। दुःख होता है यह अनुभव कर कि बापु , बुद्ध , नानक, विवेकानद, परमहंस, आदि की धरती पर भय व हिंसा की राजनीति में जनता बदनाम होती है कि कैसा प्रतिनिधि चुनकर जनता ने दिया है? संक्षेप में कहे तो पूर्वग्रहीत मानसिकता अब भी हिलोरें ले रही जिसकी आंच से देश की समरसता खतरे में पड़ती दिखाई देती हैं। देश उन्नति के शिखर पर समानुभूतिक विचारों व व्यवहारों के रास्ते लौटे यह जरूरी है कि वैसे लोगों का मनोवैज्ञानिक जांच हो। जहां उनके चरित्र के चेतन व अचेतन पहलुओं की गहन मनोवैज्ञानिक परीक्षण की जा सके। और जिसके सफल घोषणा के बाद ही आगे की प्रक्रिया हो। मुमकिन है कि ऐसे नकारात्मक व चरित्रहीन व्यक्तियों के चयन पर काफी हद तक रोक लगेगी। साथ ही वैसे सेवकों के परीक्षा हो जिसमे देश व राज्य के सीमाओं, जनसंख्या आदि के बारे में सामान्य ज्ञान सहित वैसे सवाल हो जो देश की नैतिकता, समरसता, निष्पक्षता के साथ देश विकास कैसे हो, आंतरिक शांति व सुरक्षा कैसे कायम रहे आदि महत्वपूर्ण बातें उनके कोर्स ऑफ स्टडी बने आदि के साथ क्षेत्र विशेष के प्रति संवेदनशीलता रखता हो। महिला, बच्चों व बुजुर्गों का कैसे सम्मान करना चाहिए की व्यवहारिकता से ताल्लुकात रखता हो। क्रमशः उनका साक्षात्कार भी लिया जाय। जहाँ उम्मीदवारी तय होने से पहले ठीक उसी तरह से अंक निर्धारित किये जायें जैसे अन्य सरकारी सेवाओं में निर्धारित मानदंड के तहत किया जाता है।तभी इस नकारात्मक मानसिकता को कुछ हद तक काबू में किया सुनिश्चित माना जायेगा और देश को आम जनता के लायक बनाया जा सकेगा।

डॉ विनोद कुमार शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
सचिव
'तनाव प्रबंधन प्रकोष्ठ'
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

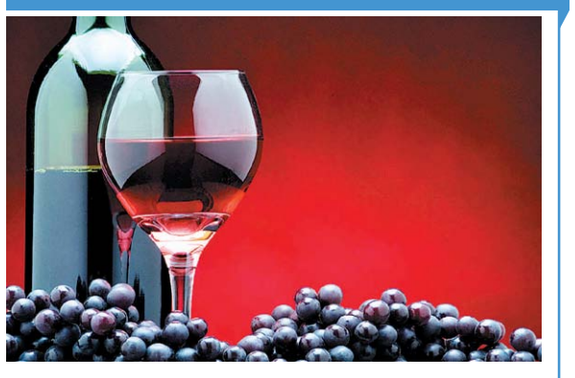

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टरी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है। एक नए शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी क्या है?

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

9 बीमारियों का एक साथ इलाज करता है सेब

आपने बचपन से ही बड़ों को ये कहते सुना होगा कि रोज एक सेब खाने से सेहत ठीक रहती है और बीमारियां दूर होती है लेकिन क्या आप इस बात पर यकीन करते हैं कि सच में रोजाना एक सेब खाने के हमारे शरीर को फायदे होते हैं। जी हां यह सच है। रोज एक सेब खाने से बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। क्योंकि यह केवल एक फल ही नहीं बल्कि औषधि भी है इसलिए इसे जादुई फल भी कहा जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट और बीमारियों से लड़ने वाले तत्व पाए जाते हैं। सेब में कुछ ऐसे भी तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में नई कोशिकाओं को बनाते है। इसमें पेक्टिन जैसे फायदेमंद फाइबर्स पाए जाते हैं, जिससे कैंसर, हाइपरटेंशन, मधुमेह और दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

जानिए सेब खाने के ऐसे फायदे हैं जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता होगा।

रोज एक सेब खाने से दांतों से पीलापन दूर होता है। मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को दूर करने के लिए भी सेब बहुत मददगार है। सेब में भरपूर मात्रा में डाइट्री फाइबर्स पाए जाते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करते है। सेब में कई ऐसे तत्व पाए जाते है, जो कैंसर के खतरा को भी कम करते है। डायबिटीज के मरीजों को भी नियमित रुप से सेब का सेवन करना चाहिए। सेब का सेवन करना दिल के लिए बहुत अच्छा होता है। कब्ज की समस्या को दूर करने में भी सेब काफी फायदेमंद है। अगर आप वजन को नियंत्रित करना चाहते है, तो सेब खाना एक बेहतर विकल्प है। शरीर के भीतर मौजूद कई विषाक्त पदार्थ बाहर निकलने में भी सेब का नियमित इस्तेमाल फायदेमंद है।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मेसी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मेसी में करियर बना कर अपने भविष्य को संवारने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्युटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और ट्रेंड लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मेसी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए

फार्मा रिसर्च में स्पेशलाइजेशन के लिए एनआईपीआर यानी नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फार्मा एजुकेशन एंड रिसर्च जैसे संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ-साथ पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, एडवांस डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग जैसे कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठयक्रमों की अवधि छह माह से एक वर्ष के बीच है। इन पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता बीएससी, बीफार्मा अथवा डीफार्मा निर्धारित की गई है।

व्यक्तिगत योग्यता

यदि आप फार्मेसी की दुनिया में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपकी साइंस और खासकर लाइफ साइंस तथा दवाइयों के प्रति दिलचस्पी होनी चाहिए। इससे जुड़े रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपकी दिमागी विश्लेषण क्षमता बेहतर हो और आपकी शैक्षणिक बुनियाद भी अच्छी होनी चाहिए। यदि आप इससे जुड़े मार्केटिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल जरूर बेहतर होनी चाहिए। डीफॉर्मा और बीफॉर्मा कोर्स में दवा के क्षेत्र से जुड़ी उन सभी बातों की थ्योरेटिकल और प्रायोगिक जानकारी दी जाती है जिनका प्रयोग आमतौर पर इस उद्योग के लिए जरूरी होता है। इसके साथ फार्माकोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, हॉस्पिटल एंड क्लीनिकल फार्मेसी, फॉर्मास्यूटिकल, हेल्थ एजुकेशन, बायोटेक्नोलॉजी आदि विषयों की जानकारी दी जाती है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भारत आज फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में काफी तेजी के आगे बढ़ रहा है। वैसे, इस क्षेत्र का दायरा भी काफी व्यापक है। यहां नई-नई दवाइयों की खोज व विकास संबंधी कार्य किया जा सकता है। आरएंडडी क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, एनालिटिकल आरएंडडी, एपीआई यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बांबे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

इन्ग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता हैं। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्टूडेंट्स को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट, फार्मेकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगेटर बनकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्मेकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पर्दाथों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगेटर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रॉयल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मेसी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शख्स भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां भारत में अपना कारोबार कर रही हैं। इनके अलावा, रैनबैक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूपिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां हैं मौके

नर्सिंग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आर्म्ड फोर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफॉर्मा करने के बाद आप मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट, एनालिस्ट कैमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ीं हैं।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। दरअसल बुजर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था।

इस जरूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थित, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यार्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संवार सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मैट्रोपोलिटेन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटर्निशप और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदावार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उसकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से संचालित, संपादक - डॉ. सिकंदर कुमार (फोन नं. 9955599136)